www.tamsasanket.com
वर्षः 30|| अंक 31 ||अम्बेडकरनगर
बुधवार
22 अप्रैल 2026 ||पृष्ठः 08 ||मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:37
सूर्यास्तः 06:33
अधिकतमः 41°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07

विशेष समाचार छात्रों का आत्मघातः सपनों का... >> पेज 04 | ज्ञानवापी में एक दिन... >>पेज 06 | सैयारा फेम अनीत पड्डा के...

जन आक्रोश पदयात्राः महिला अधिकारों के लिए सड़क पर उतरे सीएम योगी

विपक्ष का महिला विरोधी चेहरा उजागर हुआ : योगी

> यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने जन आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए कहा- धर्म के आधार पर मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया जा सकता। यह बात विपक्ष के लोग भी जानते हैं। क्या यह अधिनियम पास होता तो मुस्लिम महिलाओं को इसका लाभ नहीं मिलता? लेकिन, नकाब वालों के चक्कर में 80% महिलाओं का नुकसान सपा-कांग्रेस ने किया है।

रैली

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास न होने पर लखनऊ में भाजपा ने मंगलवार को जन आक्रोश महिला पदयात्रा निकाली। सीएम योगी खुद इस पदयात्रा में महिलाओं के साथ पैदल चले। उनके साथ करीब 15 हजार महिलाएं चलीं। योगी के अलावा दोनों डिप्टी सीएम, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी समेत पार्टी के सीनियर लीडर भी कड़ी धूप में पैदल चले।

पदयात्रा सीएम आवास से शुरू होकर विधानसभा तक करीब 2 किमी तक गई। यहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा- नकाब वालों के चक्कर में सपा-कांग्रेस ने 80% महिलाओं का नुकसान किया। महिलाओं के मन में जबरदस्त गुस्सा है।

वहीं, सीएम योगी ने कहा- सपा हो या कांग्रेस, इनके कृत्य महिला विरोधी रहे हैं। आज महिलाओं में इनके प्रति कितना गुस्सा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

- रैली में शामिल होने के लिए मेयर सुषमा खर्कवाल के अलावा नगर निगम उपाध्यक्ष चरणजीत सिंह गांधी भी पहुंची हैं। उन्होंने कहा- सपा-कांग्रेस ने हमारा अपमान किया है। हम उन्हें माफ नहीं करेंगे।
- माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी महिलाओं को संबोधित कर रही हैं। उन्होंने कहा- सपा और कांग्रेस की स्थिति मेंढक की तरह है। इन्हें चाहे चांदी के चबूतरे में बैठा लो या सोने के। ये उछलेंगे तो नाले में ही गिरेंगे। महिलाओं को आरक्षण जाति देखकर नहीं दिया जा सकता।

महिलाएं छांव ढूंढ़ रहीं, अभी पदयात्रा शुरू नहीं हुई

सीएम आवास के पास सैकड़ों महिलाएं इकट्ठा हो गई हैं। अब भी आने का सिलसिला जारी है। इस बीच कड़ी धूप होने से महिलाएं छांव ढूंढ़ रही हैं। वो सड़क पर इधर से उधर पेड़ों के नीचे पहुंचने के लिए आ-जा रही हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

सपा-कांग्रेस की महिलाएं भी इस रैली में आई हैं

योगी ने कहा- नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए महिलाओं को 33% आरक्षण देना था। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और उनके सहयोगी दलों से जुड़ी महिलाएं भी इस रैली में आई हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में जैसे देश में महिलाओं के कल्याण और स्वावलंबन में योजनाएं चल रही हैं, वैसी ही योजनाएं यूपी में डबल इंजन की सरकार भी योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा- आज की रैली यहीं पर समाप्त होती है।

रैली रूट पर पड़ रहा सिविल हॉस्पिटल, सेवाएं जारी

रैली रूट पर सिविल हॉस्पिटल पड़ रहा है। पूरे रूट पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरीके से बंद की गई है। बताया गया है कि रैली के दौरान भी सिविल हॉस्पिटल की सेवाएं चलती रहेंगी। आपात स्थिति में हॉस्पिटल जा रहे हैं तो ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 पर फोन करके मदद ली जा सकती है। सीएम आवास के पास सीएम योगी ने महिलाओं को एक तरफ आने को कहा। उन्होंने एनाउंसर की जगह खुद ही माइक संभाला।

योगी बोले- सपा-कांग्रेस के कृत्य महिला विरोधी हैं

सीएम योगी ने जन आक्रोश रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा- सपा हो या कांग्रेस, इनके कृत्य महिला विरोधी हैं। महिलाओं में इनके प्रति कितना गुस्सा है। यह दिखा रहा है कि भीषण गर्मी में भी हजारों की संख्या में बहनें आई हैं। देश के अंदर केवल 4 जातियां हैं- महिला, गरीब, युवा और किसान। देश के अंदर इंस्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो, देश के संरक्षण का काम हो, समाज के हर तबके के उत्थान के लिए चलने वाली योजनाएं हों। इन सबके केंद्र बिंदु में महिलाएं हैं। उन्होंने कहा- पीएम आवास, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर शौचालय, हर गरीब को छत, हर महिला को उज्ज्वला योजना से जोड़ना उन्हें ईंधन उपलब्ध कराना ही नहीं है, यह उनके स्वावलंबन के लिए भी है।

विज्ञान और धर्म दोनों से नहीं मिली शांति : भागवत

अगरतला। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि 2000 साल तक शासन, धर्म और विज्ञान के अलग-अलग प्रयोगों के बाद अब दुनिया भटक गई है और भारत के ज्ञान की ओर देख रही है। उन्होंने यह बात त्रिपुरा के मोहनपुर में धार्मिक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि कुछ 'दुष्ट शक्तियां' इस बात से चिंतित हैं कि अगर भारत अपनी सदियों पुरानी सभ्यतागत ताकत के सहारे आगे बढ़ा, तो उनकी दुकानें बंद हो जाएंगी। भागवत मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के लोगों के बीच धार्मिक और भाषाई आधार पर फूट डालने की कोशिशें की जा रही हैं। भारत की असली ताकत उसकी विविधता में एकता में निहित है। भागवत ने कहा, जिन देशों का इतिहास 4,000 या 5,000 साल से ज़्यादा पुराना नहीं है, वहां एक धर्म और एक भाषा हो सकती है, लेकिन भारत पूरी तरह से अलग है।

'सरकार धार्मिक परंपरा रोके तो हमें जांच का अधिकार'

धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुनवाई

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि अगर राज्य सामाजिक सुधार या जनहित के नाम पर किसी धार्मिक प्रथा या रिवाज पर रोक लगाता है, तो उसकी जांच कोर्ट कर सकता है। कोर्ट ने कहा कि हम नहीं तो फिर जांच कौन करेगा?

कोर्ट ने साफ किया कि ज्यूडिशियल रिव्यू की शक्ति पर कुछ सीमाएं हैं, लेकिन यह नहीं कह सकते कि कोर्ट के पास कोई अधिकार ही नहीं है। बेंच ने ये बातें सीनियर वकील जे साई दीपक की दलीलों पर कहीं। वे पंडालम शाही परिवार और ऐतिहासिक श्रीउर मठ की तरफ से कोर्ट में पेश हुए थे। इसके पहले कोर्ट ने पूछा, 'मूर्ति छूना ईश्वर का अपमान कैसे हो सकता है । >> (शेष पेज 06 पर)

- सबरीमाला केस में सुप्रीम कोर्ट बोला- हमारी कुछ सीमाएं, लेकिन हम नहीं तो फिर कौन रोकेगा

कांग्रेस का पीएम के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

आरोप- राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्षी सांसदों के वोट पर सवाल उठाए

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि पीएम ने 'राष्ट्र के नाम संबोधन' में विपक्षी सांसदों के वोट और उनके इरादों पर सवाल उठाए थे। यह नियमों के खिलाफ है। वेणुगोपाल ने लिखा कि पीएम ने करीब 29 मिनट के संबोधन में विपक्षी दलों पर महिला आरक्षण बिल रोकने का आरोप लगाया। सांसदों के वोटिंग पैटर्न पर सवाल उठाए।

>> (शेष पेज 06 पर)

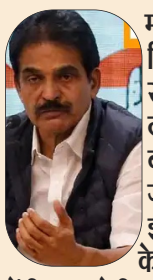

> महिला आरक्षण बिल के लिए सरकार लोकसभा में बहुमत नहीं जुटा पाई। इसके बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्ष को निशाना बनाना सत्ता के दुरुपयोग जैसा है।
> - केसी वेणुगोपाल कांग्रेस सांसद

पीएम ने कांग्रेस पर 59 बार टारगेट किया

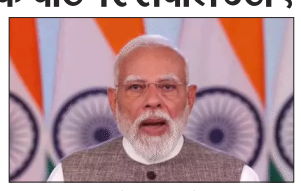

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन आमतौर पर देश को जोड़ने और भरोसा बढ़ाने के लिए होता है। इस बार संबोधन में खुलकर राजनीतिक बात हुई। कांग्रेस पर 59 बार निशाना साधा गया। इसे प्रधानमंत्री के रिकॉर्ड पर एक और दाग माना जाएगा।

फास्ट न्यूज

लेंसकार्ट शोरूम घेरा

भोपाल। भोपाल के न्यू मार्केट रोशनपुरा में ड्रेस कोड के खिलाफ लेंसकार्ट शोरूम के बाहर हिंदू उत्सव समिति के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कर्मचारियों को तिलक लगाया, मंत्रोच्चार के साथ कलावा बांधा। कहा- सनातन का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

घटना इलाज

गुजरात में फूड पॉइजनिंग से 200 लोग बीमार

गुजरात। गुजरात के दाहोद जिले में शादी के दौरान फूड पॉइजनिंग से 200 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। इनमें से 59 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना सोमवार रात की है। शादी में 400 से ज्यादा लोग पहुंचे थे। रात 8 बजे के आसपास डिनर शुरू हुआ। कुछ लोगों के मुताबिक, आम का जूस पीने के बाद तबीयत बिगड़ने लगी। बीमार लोगों को तुरंत नजदीकी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया। बाद में यह संख्या 200 से ज्यादा हो गई।

मध्य प्रदेश में पहली बार रात में लू का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/रायपुर/दिल्ली । देश के मैदानी इलाकों में तेज गर्मी जारी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा और दिल्ली में कई जगह पारा 44°C पार पहुंच गया है। कई जगह लू का भी अलर्ट है। मध्य प्रदेश के भोपाल में पहली बार रात में लू चलने की चेतावनी दी गई है।

केरलम में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 13 लोगों की मौत

10 शव बरामद, 3 लोगों के शरीर के हिस्से बिखरे मिले

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी सीजफायर के बीच बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने अमेरिकी न्यूज चैनल CNBC से ईरान के साथ मौजूदा हालात पर बात करते हुए दावा किया कि ईरानी अधिकारियों के पास बातचीत करने के अलावा कोई और चारा नहीं है। इस दौरान उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरानी एक बेहतरीन समझौता कर लेंगे। राष्ट्रपति ने ट्रंप ने यह भी कहा कि वो

उस सीजफायर को आगे नहीं बढ़ाना चाहते, जिसकी समय सीमा बुधवार को खत्म हो रही है। उन्होंने कहा, हमारे पास इतना ज़्यादा समय नहीं है। अगर ईरान कोई समझौता कर लेता है, तो वह खुद को बहुत अच्छी स्थिति में ला सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस दौरान यह भी कहा कि उनके पास एक बेहतरीन डील करने के लिए खूब सारा समय है। उन्होंने कहा कि मैंने 45 मिनट में वेनेज़ुएला पर कब्जा कर लिया। >> (शेष पेज 06 पर)

मजदूर बोला- अचानक तेज चमक दिखी, फिर आग लगी

हादसे में घायल हुए मजदूर विल्सन ने कहा कि अचानक से तेज चमक दिखाई दी, फिर आग लग गई। इसके बाद का कुछ भी याद नहीं रहा। उसने कहा कि यूनिट में ज्यादातर स्थानीय लोग ही काम कर रहे थे।

बोले- 'बातचीत ठीक से नहीं हुई तो ईरान पर करेंगे भीषण बमबारी'

'सीजफायर नहीं बढ़ेगा'

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी सीजफायर के बीच बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने अमेरिकी न्यूज चैनल CNBC से ईरान के साथ मौजूदा हालात पर बात करते हुए दावा किया कि ईरानी अधिकारियों के पास बातचीत करने के अलावा कोई और चारा नहीं है। इस दौरान उन्होंने उम्मीद जताई कि ईरानी एक बेहतरीन समझौता कर लेंगे। राष्ट्रपति ने ट्रंप ने यह भी कहा कि वो उस सीजफायर को आगे नहीं बढ़ाना चाहते, जिसकी समय सीमा बुधवार को खत्म हो रही है। उन्होंने कहा, ₹हमारे पास इतना ज़्यादा समय नहीं है। अगर ईरान कोई समझौता कर लेता है, तो वह खुद को बहुत अच्छी स्थिति में ला सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस दौरान यह भी कहा कि उनके पास एक बेहतरीन डील करने के लिए खूब सारा समय है। उन्होंने कहा कि मैंने 45 मिनट में वेनेज़ुएला पर कब्जा कर लिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

सेना कर रही है आदेश का इंतजार

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने CNBC से कहा, ₹हम पूरी तरह से तैयार हैं। हमारे पास बहुत सारा गोला-बारूद है, हर चीज बहुत ज्यादा मात्रा में है। हमने इस समय का इस्तेमाल अपने साजो-सामान को फिर से भरने के लिए किया है और शायद उन्होंने भी थोड़ा-बहुत साजो-सामान फिर से भरा होगा। हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। सेना पूरी तरह से तैयार है और बस आदेश का इंतजार कर रही है।

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ सीजफायर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वो सीजफायर को आगे नहीं बढ़ाना चाहते है। सीजफायर की सीमा बुधवार को खत्म हो रही है।

विवाद : बाद में कहा- ऐसा नहीं बोला मेरा मतलब था मोदी लोगों और विपक्षी पार्टियों को डराते-धमकाते हैं

मोदी आतंकवादी : खड़गे

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/चेन्नई । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चेन्नई में मंगलवार को पीएम मोदी को आतंकवादी कह दिया। हालांकि, कुछ देर बाद इस पर सफाई भी दी। उधर, भाजपा ने कहा कि खड़गे को अपने विवादित बयान पर माफी मांगनी चाहिए। खड़गे पहले भी मोदी पर विवादित बयान दे चुके हैं। 2024 में पीएम की तुलना आक्रमणकारी तैमूर लंग से की थी। 2023 में 'जहरीला सांप' और 'झूठों का सरदार' कहा था। बाद में कांग्रेस अध्यक्ष ने सफाई भी थी। तमिलनाडु विधानसभा की सभी 234 सीटों और पश्चिम बंगाल में पहले फेज की

152 सीटों के लिए आज शाम 5 बजे चुनाव प्रचार थम गया है। बंगाल में दूसरे फेज की वोटिंग 29 अप्रैल को होगी। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। पश्चिम बंगाल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्र कुमार बोस ने कहा- BJP में शामिल होना एक गलती थी, TMC में शामिल होकर इसे सुधारा।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीबीडीटी ने तमिलनाडु कांग्रेस के अध्यक्ष पेरुंथगई पर छापेमारी के आरोपों को गलत बताया

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) ने मंगलवार को प्रेस रिलीज जारी कर तमिलनाडु कांग्रेस के अध्यक्ष के. सेल्वा पेरुंथगई के आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया है। सोशल मीडिया और मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि आयकर अधिकारियों ने उन्हें सर्च के नाम पर रोका और उनके घर पर कार्रवाई की।

>> (शेष पेज 06 पर)

> खड़गे ने कहा- पीएम मोदी लोगों और राजनीतिक पार्टियों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं। मेरा मतलब है कि मोदी हमेशा धमकी देते हैं।

शाह बोले- ममता दीदी का समय समाप्त होने वाला है

अमित शाह ने आसनसोल के कुलटी में कहा कि पूरे बंगाल में माताओं-बहनों की सुरक्षा नहीं है। ममता दीदी को शर्म आनी चाहिए, एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद संदेशखाली में घुसपैठिया बहनों के साथ अत्याचार करता रहा। आरजी कर, दुर्गापुर कॉलेज, कलकत्ता लॉ कॉलेज में बहनों-महिलाओं के साथ अत्याचार हुआ। ममता दीदी कहती हैं कि 7 बजे के बाद महिलाओं को घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। ममता दीदी तुम्हारा समय अब समाप्त हो रहा है।

ममता की चुनावी रणनीति बनाने वाली आई-पीएसी का ऑफिस बंद

फर्म पर ईडी और सीबीआई ने मनी लॉन्ड्रिंग केस किया

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

पश्चिम बंगाल । तृणमूल कांग्रेस और सीएम ममता बनर्जी का चुनावी कैंपेन संभाल रही फर्म 'आई-पैक' का कोलकाता के विधाननगर स्थित दफ्तर दो दिन से बंद है। सूत्रों के अनुसार इसके एचआर ने 1300 कर्मियों को काम पर न आने का लेटर भेजा है। यह सब ऐसे समय हुआ है जब पहले चरण का मतदान को 3 दिन बचे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के तहत 152 सीटों पर वोटिंग होनी है। चुनाव प्रचार 21 को खत्म हो जाएगा। दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को है। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। दरअसल, तृणमूल की बूथ लेवल की गतिविधि से लेकर नेताओं की सभाएं, रैलियां, सब कुछ तय करने में I-PAC यानी इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी की अहम भूमिका निभा रही है। बंगाल में पार्टी के मौजूदा करीब 33% विधायकों के टिकट काटने के फैसले के पीछे भी इसी का सर्वे आधार था।

>> (शेष पेज 06 पर)

- आई - पीएसी रेड मामला 2,742 करोड़ का मनी लॉन्ड्रिंग केस

यूपी में बिजली के स्मार्ट मीटर पर बवाल बढ़ा

योगी ने जांच कमेटी से रिपोर्ट मांगी, अखिलेश ने 300 यूनिट फ्री देने का चुनावी दांव चला

सियासत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में बिजली के स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर सियासत शुरू हो चुकी है। लोग नाराज हैं, चुनावी साल में BJP के विधायक और पार्षद भी उनके साथ सड़क पर उतर आए हैं।

अखिलेश यादव ने भी महंगी बिजली को चुनावी मुद्दा बना लिया है। उन्होंने वादा किया कि अगर 2027 में हमारी (सपा) सरकार बनती है, तो हम 300 यूनिट बिजली फ्री देंगे। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) ने 1 अप्रैल, 2026 को स्मार्ट मीटर के नियमों में संशोधन करते हुए अधिसूचना लागू की। इसमें सीईए ने कहा कि अब उपभोक्ता की मर्जी पर बिजली कंपनियां प्रीपेड या पोस्टपेड स्मार्ट मीटर लगाएंगे। सीईए ने विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) का हवाला दिया। ये अधिनियम उपभोक्ताओं को स्वतंत्रता देती है कि वह बिजली का कनेक्शन प्रीपेड या पोस्टपेड में लेगा। ये अध्यादेश 1 अप्रैल, 2026 से ही पूरे देश में प्रभावी हो चुका है। अब सवाल उठता है कि यूपी पावर कारपोरेशन इस आदेश को क्यों नहीं लागू कर रहा है? पावर कारपोरेशन से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अभी उनके पास इसका कोई आदेश नहीं आया है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग की ओर से भी कोई दिशा-निर्देश नहीं मिला है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा इस पर गहरी आपत्ति दर्ज कराते हैं। कहते हैं कि केंद्रीय कानून का उल्लंघन करना राष्ट्रद्रोह की श्रेणी में आता है। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) का भी ये उल्लंघन है।

नाराजगी के बाद सक्रिय हुए ऊर्जा मंत्री

स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर जनप्रतिनिधियों के फीडबैक के बाद आखिरकार रविवार को ऊर्जा मंत्री एके शर्मा भी सक्रिय नजर आए। ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद 5 तरह के निर्देश जारी किए।

> सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा भी गोखले मार्ग स्थित मध्यांचल मुख्यालय के बाहर धरना दे चुके हैं। लखनऊ उत्तर के भाजपा विधायक डॉ. नीरज बोरा और बीकेटी से भाजपा विधायक योगेश शुक्ला भी प्रीपेड मीटर पर नाराजगी जताते हुए ऊर्जा मंत्री को पत्र लिख चुके हैं।

सीएम योगी की कमेटी खामियों की कर रही जांच

सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी लोगों के गुस्से को शांत करने के लिए 4 सदस्यीय कमेटी गठित की है। कमेटी को 10 दिन में स्मार्ट मीटर को लेकर तकनीकी रिपोर्ट देनी है। इस रिपोर्ट से साबित होगा कि स्मार्ट मीटर सही चल रहे हैं, या वाकई में खामी है। रिपोर्ट आने तक पावर कारपोरेशन ने नए स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगा दी है। हालांकि, नए बिजली कनेक्शन पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर ही लगाए जा रहे हैं।

अखिलेश का ऑफर, चुनाव पर असर

किसी भी राज्य में बिजली बड़ा राजनीतिक मुद्दा रहा है। देश की राजधानी दिल्ली इसका उदाहरण है। फ्री बिजली के वादे से आम आदमी पार्टी प्रचंड बहुमत से दिल्ली की सत्ता में काबिज हुई थी। मध्यप्रदेश में आज भी 100 यूनिट पर लोगों को 100 रुपए ही बिजली का बिल देना पड़ता है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में बिजली को लेकर कई तरह की स्कीमें चल रही हैं। खुद यूपी में किसानों और बुनकरों को सस्ती और फ्री बिजली दी जाती है। यूपी में 8 महीने बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। पूरे प्रदेश में अभी स्मार्ट प्रीपेड मीटर का मुद्दा तूल पकड़ता जा रहा है। लोगों की परेशानी और प्रदर्शन की खबरों के बाद राजनीतिक दल भी सक्रिय हो चुके हैं। कांग्रेस के बाद रविवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी प्रेस वार्ता के दौरान यूपी में चल रहे स्मार्ट प्रीपेड मीटर का मुद्दा उठाया और कहा कि अगर हमारी सरकार बनती है तो लोगों को 300 यूनिट बिजली फ्री देंगे।

> बिजली उपभोक्ता बिजली आफिस के साथ राजनीतिक दलों के कार्यालयों का भी घेराव कर रहे हैं। लखनऊ में मनकामेश्वर वार्ड के पार्षद रंजीत सिंह के कार्यालय का बिजली उपभोक्ता घेराव कर चुके हैं।

फास्ट न्यूज

41 डिग्री पहुंचा तापमान

लखनऊ। लखनऊ सुबह से तेज धूप निकली हुई है। पछुआ हवा भी चल रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज यानी मंगलवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्यियस पहुंच सकता है। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री रहने की संभावना है। दोपहर में 2 बजे IMD के मुताबिक लखनऊ में तापमान 41 डिग्री दर्ज किया गया। लखनऊ में सोमवार को अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री रहा।

प्रदेश में आगामी 25 अप्रैल तक उष्ण लहर/लू चलने की सम्भावना

लखनऊ। प्रदेश में दोपहर के समय 40-50 किमी/घंटा की गति से चल रही तेज हवाओं के कारण वायुमंडलीय विसरण बढ़ने से अधिकतम तापमान में थोड़ी गिरावट के परिणामस्वरूप आज प्रदेश में उष्ण लहर (लू) की स्थिति हरदोई तक सीमित रह गई। इसी क्रम में निचले क्षोभ मंडल में आ रही गर्म हवाओं के साथ आर्तरिक महाराष्ट्र के आसपास बने प्रतिचक्रवात के प्रभाव से आगामी 25 अप्रैल तक मौसम मुख्यतः शुष्क बना रहने तथा तापमान में 2-3C की संभावित बढ़ोत्तरी के दृष्टिगत प्रदेश में 25 अप्रैल तक उष्ण लहर/लू चलने की संभावना है।

पारा के खुशहालगंज में 8 लाख रुपए की चोरी

दुबग्गा। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र स्थित खुशहालगंज में एक बंद मकान से लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चोरी हो गई। यह घटना तब हुई जब मकान मालिक अपने परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। खुशहा-लगंज के पीड़ित शान बाबू पुत्र मो. नबी अपने घर से कुछ दूर स्थित प्लॉट पर गए थे। इसी दौरान चोरों ने सूने घर को निशाना बनाया और सुनियोजित तरीके से घर में घुसे।

चोरों ने घर के अंदर अलमारी की चाबी ढूंढ़ ली।

निःशुल्क चश्मा वितरण कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पूर्व केंद्रीय मंत्री, लखनऊ के पूर्व महापौर और बीबीडी ग्रुप के संस्थापक डॉ. अखिलेश दास गुप्ता की पावन स्मृति में रविवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निःशुल्क नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस जनसेवा पहल का संचालन उनके पुत्र, बीबीडी ग्रुप के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के अध्यक्ष विराज सागर दास के नेतृत्व में किया गया।

इसी क्रम में उदयगंज स्थित नई बस्ती मैदान में आयोजित कार्यक्रम में महात्मा गांधी–विक्रमादित्य वार्ड के पार्षद अमित चौधरी की उपस्थिति में जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क चश्मों का वितरण किया गया। वहीं राजेंद्र नगर के पानी टंकी पार्क में पार्षद राजेश दीक्षित के नेतृत्व में भी इसी प्रकार का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष कमल अग्रवाल का पूर्ण समर्थन

> पेंशन विरोधी नीतियो के विरुद्ध कर्मचारी ओर पेंशनर्स / शिक्षक/ श्रमिक एक जुट होकर आंदोलन करने को लामबन्द

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा अपनी मांगों को लेकर माननीय प्रधानमंत्री महोदय, भारत सरकार ओर माननीय मुख्य मंत्री महोदय, उत्तर प्रदेश सरकार को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी , लखनऊ के माध्यम से अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स महासंघ के आवाहन पर सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन अपनी 10 सूत्रीय मांगों जिसमें 8वें वेतनमान में पुराने पेंशनर्स को लाभ दिये जाने, कोरोना काल में रोका गया 18माह के मंहगाई भत्ते का भुगतान किये जाने, रेल किरायें पूर्व की भांति छूट दिये जाने, पेंशनरों की राशीकरण की कटौती 10वर्ष में बन्द करने,65वर्ष की आयु पूर्ण होने के प्रत्येक 5 वर्ष में 5%पेशन की वृद्धि किये जाने, पेंशन आयकर मुक्त किये जाने समेत दस सूत्रीय मांगों का ज्ञापन माननीय जिलाध्यक्ष अगंद सिंह जी द्वारा दिया गया कार्यक्रम स्थल पर उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष कमल अग्रवाल जी उपस्थित रहै।

उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष कमल अग्रवाल जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश मे मजदूर वर्ग, किसान, कर्मचारी, शिक्षक ओर पेंशनर्स एक जुट होकर आंदोलन करने के लिए मजबूर है क्योकि सरकार पुरानी पेंशन को बहाल नही कर रही, 18 माह का महगाई राहत का एरियर राज्य सरकार नही दे रही है, सरकारी विभागो का निजीकरण किया जा रहा है संविदा ओर आउटसोर्सिंग के कर्मचारियो को काम के घंटे, अवकाश की सुविधा, नौकरी की गारन्टी और मुआवजे की धनराशि तय नही की गयी है आ ंग न ब ड़ी, रसोईया आदि को न्य ून त म 26000/= मानदेय दिये जाने की मांग पुरजोर तरीके से कही गयी ।

आशुतोष निरंजन ने परिवहन आयुक्त का कार्यभार संभाला

समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आशुतोष निरंजन (आई ए एस) ने आज मंगलवार को परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता एवं ईमानदारी के साथ करें तथा शासन की मंशा के अनुरूप सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि कहीं से भी लापरवाही या जवाबदेही में कमी की शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी अधिकारी एवं कार्मिक समय से कार्यालय में उपस्थित रहें तथा अपने दायित्वों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही, नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व को प्राथमिकता देते हुए कार्य करें, जिससे विभाग के प्रति आमजन में सकारात्मक एवं विश्वसनीय छवि स्थापित हो सके।

डीन बोले- छात्राओं को प्यार में फंसाया, लव जिहाद की साजिश रच रहा था

लखनऊ केजीएमयू से 12वीं पास फर्जी डॉक्टर पकड़ा गया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में KGMU कैंपस से मंगलवार को एक फर्जी डॉक्टर पकड़ा गया। वह मेडिकल स्टूडेंट को प्यार में फंसाकर धर्मांतरण कराने की साजिश रच रहा था। साथ ही एम्स दिल्ली में अमेरिका के डॉक्टरों से मिलवाने के नाम पर छात्राओं को बाहर ले जाने की योजना बना रहा था।

KGMU के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया- कुछ दिन पहले पैथोलॉजी विभाग में सामने आए रमीज मलिक प्रकरण के बाद कुलपति के निर्देश पर जांच टीम बनाई गई थी। इसके बाद से कैंपस की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। फर्जी डॉक्टर को पुलिस को सौंप दिया गया है।

पुलिस की पूछताछ में हसम अहमद ने बताया कि मैं 12वीं पास हूं और सिद्धार्थनगर का रहने वाला हूं। मैंने लखनऊ के शिया इंटर कॉलेज से पढ़ाई की है। मैंने समाजसेवा के नाम पर एक संस्था बनाई थी। उसी के जरिए मेडिकल कैंप लगाता था। छात्राओं के संपर्क में आने के सवाल पर वह साफ जवाब नहीं दे सका। उसने दावा किया कि उसके साथ 4 डॉक्टर जुड़े हैं। वह जल्द अस्पताल खोलने वाला था।

डॉक्टर की ड्रेस में घूमता था, कई विभागों में थी पैठ

केके सिंह ने बताया- हसम हमेशा डॉक्टर की पोशाक में रहता था। उसके संपर्क में KGMU की 20 से ज्यादा छात्र-छात्राएं थीं। वह कई विभागों में आने-जाने का दावा करता था। हालांकि किन-किन स्टाफ से संपर्क था, इसकी पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। जांच में सामने आया कि छात्राओं को दिए गए लेटर में फर्जी हस्ताक्षर थे। हसम अहमद ने KGMU के नाम से फर्जी लेटरहेड भी बना रखा था। प्रशासन ने इसे बड़ी साजिश मानते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

जांच में सामने आया कि छात्राओं को दिए गए लेटर पर हसम अहमद ने KGMU के प्रवक्ता केके सिंह के फर्जी हस्ताक्षर किए थे।

जांच में सामने आई साजिश

केके सिंह ने बताया- हमें सूचना मिली थी कि कुछ लोग KGMU की छात्राओं को बहला-फुसलाकर बाहर ले जाने की फिराक में हैं। हमारी टीम ने निगरानी बढ़ाई, तो हसम अहमद का नाम सामने आया। वह KGMU में मेडिकल कैंप लगाकर खुद को डॉक्टर बताता था।

जांच के दौरान 20 अप्रैल को ऐसे ही एक मेडिकल कैंप में KGMU के करीब 20 स्टूडेंट्स मौजूद थे।

ऊर्जा कर्मियों नें की 7 मई को कार्य बहिष्कार की घोषणा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। 7 मई को ऊर्जा कर्मियों द्वारा प्रदेश व्यापी कार्य बहिष्कार की घोषणा हुई, आज पूरे प्रदेश के हर जिले मे सत्याग्रह हुआ। विद्युत संविदा कर्मचारी महासंघ उप्र द्वारा ऊर्जा मंत्री ऐ के शर्मा को दी गई नोटिस के संदर्भ में आज पूरे प्रदेश में संविदा कर्मियों द्वारा सत्याग्रह किया गया जिसकी प्रमुख मांग है कि राज्य सरकार द्वारा गठित आउटसोर्स निगम में ऊर्जा निगमो के संविदा कर्मियों को भी शामिल किया जाए। वरिष्ठ मजदूर नेता एवं महासंघ के अध्यक्ष आर एस राय ने मुख्यमंत्री द्वारा पूरे प्रदेश के संविदा कर्मियों को विचौलिया हटकर विभाग द्वारा सीधे वेतन का भुगतान किए जाने वेतन बढ़ाए जाने इपीएफ का सीधे विभाग द्वारा भुगतान किए जाने की घोषणा विधानसभा में की गई थी किंतु पावर कार्पोरेशन प्रबंधन आउटसोर्स निगम से ऊर्जा निगमो के संविदा कर्मचारियों को अलग रखना चाहता है जो सरासर अन्याय है। महासंघ के प्रदेश प्रभारी पुनीत राय ने कहा कि प्रतिदिन की जा रही छटनी, और ठेकेदारों के शोषण से बचने के लिए ऊर्जा निगमो के संविदा कर्मियों को आउटसोर्स निगम में शामिल किया जाना अति आवश्यक है। विद्युत मज़दूर संगठन उप्र के अध्यक्ष एवं महासंघ के मीडिया प्रभारी विमल चंद्र पाण्डेय ने चेतावनी दिया है कि यदि 7 मई के कार्य बहिष्कार के बाद भी अगर संविदा कर्मियों को न्याय नहीं मिला तो पूरे प्रदेश के संविदा कर्मियों द्वारा अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

धू-धूकर जली 41 सीटर बस लोगों ने मालिक को बुलाया

आधे घंटे तक जलती रही केवल ढांचा बचा

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज । लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में सोमवार रात एक बस में आग लग गई। बस धू-धूकर जलने लगी। लोगों ने बस मालिक को फोन कर बुलाया। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड मौके पर समय से पहुंचकर बुझानी शुरू की, लेकिन आग तब बुझी जब तक कि पूरी तरह से जल नहीं गई।

घटना इग्नू विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर के पीछे की है। यहां खाली मैदान में 41 सीटर ट्रैवल बस खड़ी थी। उसमें अचानक आग लग गई। पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना सोमवार रात करीब 11:30 बजे हुई। बस संख्या UP 32 TT 1006 में अचानक आग लगी और कुछ ही मिनटों में वह धू-धू कर जलने लगी। बस के मालिक संजय कुमार यादव ने बताया- मुझे स्थानीय लोगों ने बस में आग लगने की सूचना दी। मैंने फायर ब्रिगेड को फोन करते हुए तुरंत मौके पर पहुंचकर लोगों के साथ आग बुझानी शुरू की। बस इग्नू के पीछे मैदान में खड़ी थी। इग्नू का रीजनल सेंटर वृंदावन योजना के सेक्टर-5 स्थित है। बस मालिक तेलीबाग के गांधीनगर के रहने वाले हैं। संजय ने बताया कि बस 41 सीटों वाली थी और घटना के समय पूरी तरह खाली खड़ी थी।

धक्का-मुक्की : पार्टी का झंडा फूंका, बोलीं- अखिलेश की फोटो जलाने का बदला लिया

सपाइयों का बीजेपी ऑफिस के बाहर हंगामा

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सपाइयों ने BJP का झंडा जलाया। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो उनसे धक्का-मुक्की की। पुलिस ने एक-एक कार्यकर्ता को टांग कर गाड़ी में डाला और इको गार्डन ले जाकर छोड़ दिया। यह पुलिस वाले प्रशासन के लोग खड़े होकर हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष की फोटोजलवाते हैं। जब हमारी पार्टी का झंडा जलता है तब कोई पुलिस वाला नहीं आता। आज हम लोग भी झंडा जल रहे हैं।

रंजन यादव ने कहा- रोज महिलाओं का अपमानित किया जाता है तब योगी और मोदी की पुलिस कहां चली जाती है। हमारी पार्टी का जो झंडा जला था। उसके बाद हमने भी झंडा जला दिया है। हम लोग यह बर्दाश्त नहीं करेंगे। पूरे प्रदेश में महिलाएं पीड़ित हैं। महिलाओं के साथ रेप की घटनाएं होती हैं। तमाम तरीके के अपमान होते हैं। तब कोई नहीं बोलता।

> महिला सपा विंग की कार्यकर्ताओं ने कहा- हमारी पार्टी का झंडा और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीर जलाई गई थी। जिसका विरोध करते हुए अब हम लोग झंडा जला रहे हैं।

इको गार्डन ले गई पुलिस

महिला सपा विंग की रिंकी और रंजन अपने साथी कार्यकर्ताओं के साथ शाम करीब पांच बजे बीजेपी का झंडा लेकर हजरतगंज स्थित पार्टी कार्यालय के बाहर पहुंची पुलिस और प्रदर्शनकारी महिलाओं के बीच में जमकर धक्का मुक्की और नोकझोंक हुई।

झंडा जलाने के बाद रिंकी यादव ने कहा- हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष और समाजवादी पार्टी का अपमान हुआ है, जिसका हमने बदला लिया। यह सरकार सिर्फ महिलाओं की बात करती है। यह सरकार महिलाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर कोई काम नहीं करती।

मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की पात्रता की

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत भोंटिया, जौनसारी, राजी, गोंड तथा इसकी पर्याय धुरिया, ओझा, नायक, पठारी, राजगोंड (उ0 प्र0 के जनपद महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, बलिया, गाजीपुर, वाराणसी, मिर्जापुर,सोनभद्र, चंदौली, कुशीनगर, भदोही तथा सन्तकबीरनगर), खरवार, खैरवार (देवरिया, बलिया, गाजीपुर, वाराणसी एवं सोनभद्र जिला मे), पराहिया (सोनभद्र जिले मे), पंखा, पनिका(सोनभद्र एवं मिर्जापुर जिले मे, अगरिया(सोनभद्र जिले मे) पटारी (सोनभद्र जिले मे) तथा भुइंया, भुनिया(सोनभद्र जिले मे)जातियों (अनुसूचित जनजातियों) को भी उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के दृष्टिगत मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण की पात्रता की प्राथमिकता श्रेणी मे सम्मिलित किया गया है। श्री मौर्य ने बताया कि उनके विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण के दौरान यह मामला प्रकाश में आया कि मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण की पात्रता सूची में उपरोक्त जातियां शामिल नहीं है,और इन जातियों के कतिपय पात्र लोगों द्वारा फील्ड भ्रमण के दौरान आवास आवंटन की मांग की गयी ।

> प्राथमिकता श्रेणी मे भोंटिया, जौनसारी, राजी, गोंड, खरवार, परहिया,पंखा, अगरिया, पटारी, व भुइंया जातियों को भी किया गया सम्मिलित

अंबेडकरनगर में बारात से लौटते समय हुआ भीषण सड़क हादसा

अर्टिगा और एक्सयूवी की टक्कर में एक की मौत, आठ लोग घायल

हादसा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर । सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बारात से लौट रही अर्टिगा कार और सामने से आ रही तेज रफ्तार XUV के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में चल रहा है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार हादसे के पीछे दो वजहें सामने आ रही हैं। बताया गया कि सामने एक बाइक सवार आ गया था, जिसे बचाने की कोशिश में अर्टिगा चालक ने नियंत्रण खो दिया। इसी दौरान सामने से आ रही XUV की तेज हेडलाइट के कारण दृश्यता कम हो गई और दोनों गाड़ियां आपस में भिड़ गईं।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। अर्टिगा पलट गई, जबकि XUV भी सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान 24 वर्षीय प्रशांत तिवारी की मौत हो गई। वह करमपुर बरसवा गांव के निवासी थे।अन्य घायलों में विभु पांडेय, मोहम्मद समीर, प्रिंस कन्नौजिया, दिव्यांश तिवारी, रजनीकांत पांडेय और अंकित उपाध्याय शामिल हैं। इसके अलावा XUV सवार अवनीश मिश्रा और रिंकू भी घायल हुए हैं। घटना की सूचना पर क्षेत्रीय अधिकारी और थाना पुलिस जिला अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और रात के समय कम दृश्यता को वजह माना जा रहा है। इस हादसे के बाद इलाके में देर रात अफरा-तफरी का माहौल रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर रात में रोशनी की कमी और तेज रफ्तार अक्सर हादसों की वजह बनती है।

हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। दोनों गाड़ियों में फंसे लोगों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत जिला अस्पताल भेजा गया।

अकबरपुर-बसखारी रोड पर टकराईं दोनों गाड़ियां

घटना अकबरपुर थाना क्षेत्र के बारियावन बाजार के पास की है। जानकारी के अनुसार इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के करमपुर बरसवा गांव निवासी विभु पांडेय अपने साथियों के साथ अर्टिगा कार से शादी समारोह में शामिल होने गए थे। देर रात करीब 12:30 बजे सभी लोग वापस लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार बारियावन बाजार के पास पहुंची, सामने से आ रही तेज रफ्तार XUV से सीधी टक्कर हो गई।

डेढ़ करोड़ तक की परियोजनाओं पर मिलेगी वित्तीय सहायता

ओडीओपी योजना से युवाओं को बड़ा अवसर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । युवाओं और उद्यमियों के लिए एक बड़ी पहल शुरू की गई है। ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) योजना के तहत कपड़ा उत्पाद, सेवा और व्यवसाय क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने के लिए डेढ़ करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं पर वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उपायुक्त उद्योग के अनुसार योजना में परियोजना लागत के आधार पर सब्सिडी का प्रावधान किया गया है।25 लाख रुपये तक की परियोजना पर 25 प्रतिशत या अधिकतम 6.25 लाख रुपये की सहायता मिलेगी।25 लाख से 50 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर 20 प्रतिशत या 6.25 लाख रुपये (जो अधिक हो) की सब्सिडी दी जाएगी।50 लाख से 150 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर 10 प्रतिशत या अधिकतम 6.25 लाख रुपये की सहायता तय की गई है।डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं पर 10 प्रतिशत या अधिकतम 20 लाख रुपये तक की सब्सिडी मिलेगी। योजना में किसी प्रकार की शैक्षिक योग्यता अनिवार्य नहीं है। आवेदक किसी बैंक या वित्तीय संस्था का डिफॉल्टर नहीं होना चाहिए। साथ ही पहले किसी अन्य सरकारी स्वरोजगार योजना का लाभ न लिया हो।

लाभार्थियों के लिए निवेश की शर्त

योजना में सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं निवेश करना होगा।

वहीं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला और दिव्यांगजन को केवल 5 प्रतिशत अंशदान देना होगा।

फास्ट न्यूज

श्रमिकों के लिए शिकायत कक्ष स्थापित

अंबेडकरनगर । श्रमिकों और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन ने पहल की है। कलेक्ट्रेट परिसर में शिकायत कक्ष स्थापित किया गया है, जहां मजदूरी और सेवा से जुड़े मामलों की सुनवाई होगी।अपर जिला अधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्स्ना बंधु ने जानकारी दी कि यह सुविधा सभी श्रमिकों, संविदा कर्मियों, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों और निजी प्रतिष्ठानों में कार्यरत लोगों के लिए उपलब्ध है।

जहांगीरगंज में सफाई व्यवस्था पर सवाल

अंबेडकरनगर । जहांगीरगंज नगर पंचायत के वार्ड नंबर 9 नेवारी दुराजपुर में सफाई व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताई है।ग्रामीणों का कहना है कि कई महीनों से नाले की सफाई नहीं हुई है, जिससे इलाके में गंदगी और जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इसके चलते मच्छरों की संख्या बढ़ गई है और लोगों में बीमारियों का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि स्वच्छ भारत मिशन के दावे केवल कागजों तक सीमित नजर आ रहे हैं। नाले की सफाई न होने के कारण गंदा पानी सड़क के किनारे जमा हो रहा है, जिससे आवागमन भी प्रभावित हो रहा है।

बढ़ते तापमान के बीच स्कूलों के समय में बदलाव

अंबेडकरनगर । बढ़ते तापमान को देखते हुए जिला प्रशासन ने स्कूलों के समय में बदलाव किया है। भारत मौसम विभाग की रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। जिले में संचालित सभी मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों पर यह आदेश लागू रहेगा। इसमें राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, वित्त विहीन, सीबीएसई, आईसीएसई, संस्कृत और अन्य बोर्ड के स्कूल शामिल हैं।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा 2025 की तैयारियों का निरीक्षण

अकबरपुर क्षेत्र में एसपी प्राची सिंह ने लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । प्रस्तावित होमगार्ड भर्ती परीक्षा 2025 को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए पुलिस प्रशासन सक्रिय नजर आ रहा है।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने मंगलवार को अकबरपुर क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान परीक्षा कक्षों, सीसीटीवी कैमरों और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की गहन जांच की गई। केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था और निगरानी प्रणाली को परखा गया।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी केंद्रों पर तकनीकी और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त रहे, ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो।

एसपी ने स्पष्ट किया कि परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने को कहा गया।

पुलिस बल की तैनाती, निगरानी और प्रवेश व्यवस्था को लेकर भी दिशा-निर्देश जारी किए गए।

पुलिस और प्रशासन की संयुक्त तैयारी के तहत परीक्षा केंद्रों की लगातार निगरानी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि परीक्षा को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

कार्यकर्ताओं की सामाजिक समझ और नेतृत्व क्षमता हुई मजबूत

जलालपुर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । जलालपुर ब्लॉक में जन शिक्षण केंद्र की ओर से "ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम" के तहत तीन दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर (ToT) का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य कार्यकर्ताओं की सामाजिक समझ बढ़ाना और संगठन को मजबूत करना रहा।

प्रशिक्षण की शुरुआत प्रशिक्षक राजदेव चतुर्वेदी ने प्रार्थना और परिचय सत्र से की। शुरुआती सत्र में समानुभूति और सहानुभूति के अंतर को समझाया गया। बताया गया कि संस्था समानुभूति के आधार पर कार्य करती है।

इसके बाद "समस्या वृक्ष" और "ऐसा क्यों" जैसी गतिविधियों के जरिए प्रतिभागियों को सामाजिक समस्याओं की जड़ों तक पहुंचने और समाधान निकालने की विधि सिखाई गई। समूहों में कार्य कराकर समुदाय की प्रमुख समस्याओं की पहचान कराई गई। साथ ही समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने पर जोर दिया गया।

प्रशिक्षण में ROSA मॉडल के माध्यम से संगठन निर्माण, सशक्तिकरण और एक्शन प्लान पर चर्चा हुई। "ताना-बाना" खेल के जरिए आपसी सहयोग और एकता का महत्व बताया गया।

"नेता-नेता चाल बदल" गतिविधि के जरिए नेतृत्व की रणनीति और सुरक्षा पर जानकारी दी गई। कठपुतली खेल और जनसुनवाई वीडियो के माध्यम से जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर भी चर्चा की गई। अंतिम सत्र में प्रतिभागियों से उनके व्यक्तिगत विजन को संस्था के कार्य से जोड़ने पर बातचीत हुई। प्रशिक्षक ने विजन के महत्व और उसे विकसित करने की प्रक्रिया समझाई।प्रशिक्षण में उर्मिला, चांदतारा, निशा, विद्या, पुनीता, बृजेश, हरिराम, रामसागर, हेमलता, शर्मिला, सिद्धार्थ सिंह और आशुतोष पाल सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

पुलिस लाइन में रिक्रूट आरक्षियों के लिए 'बड़ा खाना' आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । पुलिस लाइन में मंगलवार को रिक्रूट आरक्षियों के उत्साहवर्धन के लिए 'बड़ा खाना' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षणरत आरक्षियों का मनोबल बढ़ाना और उन्हें सेवा भावना के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में आईजी रेंज सोमेन वर्मा और एसपी प्राची सिंह उपस्थित रहे। अधिकारियों ने रिक्रूट आरक्षियों से संवाद किया और उन्हें अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा तथा उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रेरित किया।

अधिकारियों ने कहा कि पुलिस सेवा में अनुशासन और जिम्मेदारी सबसे महत्वपूर्ण है। रिक्रूट आरक्षियों को अपने प्रशिक्षण के दौरान सीख को व्यवहार में लागू करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में पुलिस व्यवस्था को मजबूत बनाने में युवाओं की भूमिका पर भी चर्चा हुई।

'बड़ा खाना' कार्यक्रम के दौरान रिक्रूट आरक्षियों के बीच आपसी संवाद और सामूहिक सहभागिता देखने को मिली। इस तरह के आयोजन से प्रशिक्षणरत जवानों में टीम भावना और आत्मविश्वास बढ़ता है।कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण माहौल में हुआ।

6 जून तक कर सकते हैं आवेदन, कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना में निशुल्क कोचिंग के लिए आवेदन हुआ शुरू

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर । प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत निशुल्क कोचिंग का अवसर शुरू हो गया है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। अभ्यर्थी 6 जून तक आवेदन कर सकते हैं।

मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने बताया कि योजना के तहत कई प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी।जेईई और नीट के लिए प्रवेश परीक्षा 8 जून को सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित होगी। वहीं यूपीएससी, यूपीपीएससी, एनडीए, सीडीएस और अन्य परीक्षाओं के लिए प्रवेश परीक्षा 15 जून को इसी समय में कराई जाएगी।परीक्षा परिणाम 19 जून को घोषित किए जाएंगे, जबकि कोचिंग सत्र 1 जुलाई से शुरू होगा।

जेईई और नीट के लिए 12वीं विज्ञान वर्ग में अध्ययनरत या उत्तीर्ण छात्र आवेदन कर सकते हैं।

यूपीएससी और यूपीपीएससी के लिए स्नातक अंतिम वर्ष या उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे। एनडीए के लिए 12वीं विज्ञान वर्ग के छात्र आवेदन कर सकते हैं। सीडीएस और सीएपीएफ के लिए स्नातक स्तर के अभ्यर्थी पात्र होंगे। एसएससी, यूपीएसएससी और बैंक परीक्षाओं के लिए 12वीं पास या अध्ययनरत अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी विकास भवन स्थित कक्ष संख्या-57 में जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय से आवेदन प्राप्त और जमा कर सकते हैं। इसके अलावा सभी विकास खंडों में भी आवेदन फॉर्म उपलब्ध हैं। फॉर्म सहायक विकास अधिकारी (समाज कल्याण) या ग्राम विकास अधिकारी के माध्यम से जमा किए जा सकते हैं।

विभिन्न संस्थानों में होगी कोचिंग

राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में जेईई और नीट की तैयारी कराई जाएगी। वहीं बीएनकेवी इंटर कॉलेज में सिविल सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग दी जाएगी। योजना के तहत यूपीएससी, राज्य लोक सेवा आयोग, एनडीए, सीडीएस, एसएससी, सीयूईटी, यूपीएसएससी, यूपी पुलिस, बैंक और अन्य एकदिवसीय परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी कार्य दिवस में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक 8299037551, 9151093178 और 9958598103 पर संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन का कहना है कि योजना का उद्देश्य युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण तैयारी उपलब्ध कराना है।

अंबेडकरनगर के जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला का तबादला

कार्यशैली और व्यवहार से बने लोकप्रिय

गाजीपुर भेजे गए, एक साल रहा कार्यकाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला का तबादला गाजीपुर कर दिया गया है। वे करीब एक वर्ष तक जिले में तैनात रहे। उनके कार्यकाल में प्रशासनिक स्तर पर कई महत्वपूर्ण पहल देखने को मिलीं। पूर्व सांसद रितेश पांडेय ने अपने बयान में कहा कि जिलाधिकारी ने जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दी। विशेष रूप से भूमि और राजस्व से जुड़े विवादों के समाधान में उनकी भूमिका अहम रही।प्रशासनिक कार्यशैली में तेजी और निगरानी के चलते कई लंबित मामलों का निपटारा हुआ। जिले में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को लेकर प्रयास तेज किए गए। इसके साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और उद्योगों को बढ़ावा देने पर भी काम हुआ।निवेश को आकर्षित करने और स्थानीय स्तर पर विकास योजनाओं को गति देने के लिए कई कदम उठाए गए। कार्यकाल के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी पहल की गई। मुख्य बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में यातायात नियंत्रण के उपाय लागू किए गए।इन प्रयासों का असर शहर की व्यवस्था पर देखने को मिला।

जिलाधिकारी के तौर पर अनुपम शुक्ला ने प्रशासनिक सख्ती के साथ संतुलित व्यवहार बनाए रखा। इसी वजह से वे आम लोगों और अधिकारियों के बीच चर्चित रहे।तबादले के बाद अब वे गाजीपुर में नई जिम्मेदारी संभालेंगे।

पंचायत भवन में बिना अनुमति प्रतिमा स्थापना से विवाद

- ग्रामीणों में आक्रोश, प्रशासन से शिकायत
- अनुमति प्रक्रिया पर सवाल
- पंचायत भवन के उपयोग को लेकर विवाद
- जांच कर स्पष्ट करने की अपील

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । अकबरपुर तहसील क्षेत्र की ग्रामसभा भगवानपुर (पोस्ट जमुनीपुर) में पंचायत भवन परिसर में बिना अनुमति प्रतिमा स्थापना का मामला सामने आया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि 13 अप्रैल 2026 की रात पंचायत भवन परिसर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा बिना सक्षम अनुमति के स्थापित कर दी गई।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कार्य ग्राम प्रधान सुखराम राजभर की देखरेख में किया गया। घटना के बाद गांव में असंतोष और आक्रोश की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को सौंपे गए प्रार्थना पत्र में कहा है कि प्रतिमा स्थापना के लिए न तो ग्राम पंचायत की स्वीकृति ली गई और न ही किसी प्रशासनिक स्तर पर अनुमति प्राप्त की गई।लोगों का कहना है कि पंचायत भवन जैसे सार्वजनिक परिसर में बिना प्रक्रिया के किए गए इस कार्य से भविष्य में विवाद की स्थिति बन सकती है। ग्रामीणों ने जिला अधिकारी को दिए गए पत्र में मामले की जांच और स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।फिलहाल प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

- भगवानपुर गांव में ग्रामीणों ने जताई आपत्ति, जिला प्रशासन से शिकायत

हादसा : सतीश अपने घर से बाइक से बरामदपुर की ओर जा रहे थे

तेज रफ्तार टैंकर की टक्कर से जनसेवा केंद्र संचालक की मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के महरुआ थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना कुड़ी बरामदपुर तिराहे के पास हुई, जहां तेज रफ्तार टैंकर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसा सुबह करीब 9:30 बजे का बताया जा रहा है।

टक्कर इतनी तेज थी कि सतीश के सिर में गंभीर चोट आई। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी। परिजन भी मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद सतीश को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद टैंकर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तिराहे पर अक्सर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही रहती है, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है।

महरुआ थानाध्यक्ष ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फरार चालक और वाहन की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सतीश अपने परिवार का सहारा थे और जनसेवा केंद्र के माध्यम से लोगों को सेवाएं देते थे। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

कुड़ी बरामदपुर तिराहे पर हुआ हादसा

सारंगपुर निवासी सतीश यादव थे मृतक

मृतक की पहचान सारंगपुर निवासी सतीश यादव उर्फ हनुमान के रूप में हुई है। वह जनसेवा केंद्र का संचालन करते थे। जानकारी के अनुसार, सतीश अपने घर से बाइक से बरामदपुर की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह कुड़ी बरामदपुर तिराहे पर पहुंचे, महरुआ की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार टैंकर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

नवागत एसपी प्राची सिंह का व्यापार मंडल ने किया स्वागत

कानून व्यवस्था और सुरक्षा मुद्दों पर हुई चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । नवागत पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह से व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत कर जिले से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर बातचीत की। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता, प्रदेश मंत्री संतोष अग्रवाल और जिला मंत्री राजाबाबू गुप्ता के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने व्यापारियों की सुरक्षा, कानून व्यवस्था और अन्य समस्याओं से अवगत कराया। व्यापारियों ने कहा कि बाजार क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है। साथ ही प्रशासन के साथ सहयोग का भरोसा भी जताया। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।उन्होंने कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए पुलिस और व्यापारियों के बीच समन्वय पर जोर दिया। मुलाकात के दौरान कृष्ण कुमार सोनी, रवि अग्रहरी, रमेश गुप्ता, विकास जायसवाल, विजय जायसवाल, संदीप जायसवाल और बंटी जायसवाल समेत कई व्यापारी नेता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

मार्ग दुर्घटनाओं का सिलसिला

जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर जिले में एक बस के गहरी खाई में गिरने से 20 से अधिक यात्रियों की मौत आए दिन होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में से एक है। चूंकि इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या अधिक है, इसलिए शीर्ष स्तर पर शोक व्यक्त किया जाया जा रहा है और दुर्घटना के कारणों की जांच का भरोसा दिया जा रहा है, पर सब जानते हैं कि ऐसे आश्वासन मार्ग दुर्घटनाओं को कम करने में कतई सहायक नहीं बन पा रहे हैं। अपने देश में मार्ग दुर्घटनाएं और उनमें मरने एवं घायल होने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। आम तौर पर हर सड़क दुर्घटना के बाद वही-वही कारण सामने आते हैं, जिनके चलते तमाम मार्ग दुर्घटनाएं हो चुकी होती हैं। जैसे ओवर लोडिंग, तेज रफ्तार, लापरवाह ड्राइविंग, अकुशल चालक, यातायात नियमों की अनदेखी या फिर खराब सड़कें अथवा उस पर खतरनाक मोड़।

ऊधमपुर में यात्रियों से भरी जो बस खाई में गिरी, उसके दुर्घटनाग्रस्त होने का कारण उसकी तेज रफ्तार के साथ उसमें आवश्यकता से अधिक यात्री सवार होना बताया जा रहा है। ध्यान रहे यह सरकारी बस थी और फिर भी उसमें इतनी ओवरलोडिंग थी कि कुछ यात्री खड़े होकर यात्रा कर रहे थे। पहाड़ी रास्तों पर तो अतिरिक्त सतर्कता बरती जानी चाहिए थी, पर ऐसा नहीं किया गया।

यह संभव नहीं कि बस अड्डे से निकली इस बस पर पुलिस की निगाह न पड़ी हो, लेकिन अपने देश में इस तरह के उल्लंघन इतने आम हो चुके हैं कि उन पर कोई भी ध्यान नहीं देता। विडंबना यह है कि प्रायः यात्री भी खड़े होकर यात्रा करने में गुरेज नहीं करते। वे जोखिम का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं।

ऐसा नहीं है कि केवल यात्री वाहन ही ओवरलोडिंग करते हों। यही काम कमर्शियल वाहन भी करते हैं और इसके चलते वे भी दुर्घटनाग्रस्त होते हैं। हमारे नीति-नियंता उन सभी कारणों से भली तरह परिचित हैं, जिनके चलते सड़क हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन उनका निवारण करने के नाम पर केवल कोरे आश्वासन दिए जा रहे हैं।

आम सड़कों से लेकर राजमार्गों तक का निर्माण इस तरह सुनिश्चित नहीं किया जा पा रहा है कि उनकी डिजाइन में कोई खामी न रहे और उनमें ब्लैक स्पाट यानी जोखिम वाले ठौर न बनने पाएं। इसी तरह पुलिस यह सुनिश्चित नहीं कर पा रही है कि कोई भी वाहन चालक ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन न करने पाए।

लगातार बढ़ती मार्ग दुर्घटनाओं और उनमें हो रही मौतों को रोकने के लिए जिस तरह खोखले आश्वासन देकर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है, उससे तो यही लगता है कि लोगों की जान की कोई कीमत ही नहीं। यह समझा जाए तो अच्छा कि मार्ग दुर्घटनाओं में प्रति वर्ष होने वाली लाखों अकाल मौतें विधि का विधान नहीं, बल्कि लापरवाही का दुष्परिणाम हैं।

छात्रों का आत्मघातः सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी?

> विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है।

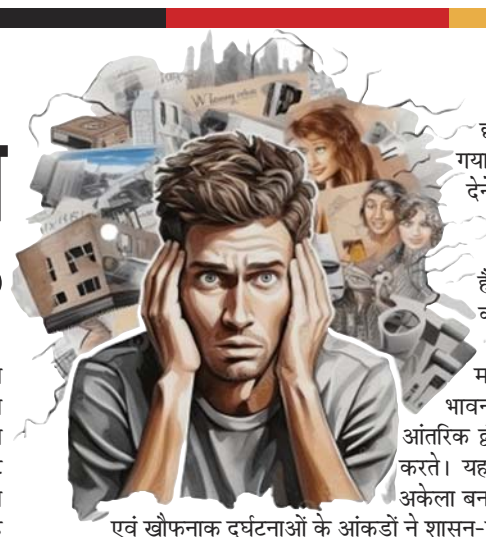

कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में दो महीनों के भीतर चार छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं केवल एक संस्थान की त्रासदी एवं नाकामी नहीं हैं, बल्कि पूरे भारतीय समाज, शिक्षा व्यवस्था और हमारी सामूहिक संवेदनहीनता पर लगा गहरा प्रश्नचिह्न हैं। ये घटनाएं हमें झकझोरती हैं कि आखिर वह कौन-सी परिस्थितियां हैं, जिनमें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं जीवन से हार मानने को विवश हो जाती हैं। कोई भी युवा, जो कठिन प्रतिस्पर्धा से गुजरकर ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचता है, वह सहज रूप से जीवन का परित्याग नहीं करता, वह तब यह निर्णय लेता है जब उसे हर ओर अंधकार ही अंधकार दिखाई देता है। यह अंधकार केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक और संस्थागत विफलताओं का सम्मिलित परिणाम है। एक बड़ा सवाल है कि इस तरह छात्रों का आत्मघात करना क्या सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी? आज भारत का भविष्य कहे जाने वाले युवा जिस मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ तले दबे हैं, वह अभूतपूर्व चिन्ताजनक है। कोटा जैसे शिक्षा नगरों में हर वर्ष दर्जनों छात्र आत्महत्या करते हैं। इन घटनाओं को हम आंकड़ों में बदल देते हैं, लेकिन हर आंकड़े के पीछे एक जीवित सपना, एक संघर्षरत परिवार और टूटती उम्मीदों की कहानी होती है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई और अन्य शिक्षा केंद्रों में बढ़ती आत्महत्याएं इस बात का संकेत हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में कुछ मूलभूत त्रुटियां हैं। यह केवल पढ़ाई का दबाव नहीं है, यह उस मानसिक संरचना का संकट है, जिसमें सफलता को जीवन का पर्याय बना दिया गया है और असफलता को जीवन का अंत।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार 2018 से 2023 के बीच उच्च शिक्षण संस्थानों में 98 छात्रों ने आत्महत्या की। इनमें सबसे अधिक घटनाएं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में हुईं, इसके बाद एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों का स्थान है। यह तथ्य इस धारणा को तोड़ता है कि केवल कमजोर छात्र ही मानसिक तनाव का शिकार होते हैं। सच्चाई यह है कि सबसे प्रतिभाशाली और संवेदनशील छात्र ही अक्सर सबसे अधिक दबाव महसूस करते हैं, क्योंकि वे स्वयं से अत्यधिक अपेक्षाएं रखते हैं और असफलता को स्वीकार नहीं कर पाते। यहां प्रश्न केवल संस्थानों का नहीं है, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता का भी है जिसने सफलता को एक संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया है। परिवार अपने बच्चों को बचपन से ही यह सिखाते हैं कि जीवन का लक्ष्य केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना है। अभिभावक अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च कर कोचिंग संस्थानों में बच्चों को भेजते हैं, बैंक से कर्ज लेते हैं और अपनी अधूरी इच्छाओं को बच्चों के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह अपेक्षाओं का बोझ बच्चों के मन पर इतना भारी पड़ता है कि वे स्वयं को एक प्रोजेक्ट की तरह देखने लगते हैं, एक इंसान की तरह नहीं। जब यह प्रोजेक्ट असफल होता है, तो उन्हें लगता है कि उनका अस्तित्व ही निरर्थक हो गया है।

शिक्षा व्यवस्था का ढांचा भी इस संकट के लिए कम जिम्मेदार नहीं है। हमारी शिक्षा प्रणाली बच्चों को ज्ञान तो देती है, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखाती। उन्हें बताया जाता है कि गणित कैसे हल करना है, लेकिन यह नहीं सिखाया जाता कि जीवन की समस्याओं का समाधान कैसे करना है। उन्हें भौतिकी के नियम याद कराए जाते हैं, लेकिन यह नहीं बताया जाता कि मानसिक संतुलन कैसे बनाए रखना है। परिणामस्वरूप, जब वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों से सामना करते हैं तो वे टूट जाते हैं। आज के शिक्षण संस्थानों में शिक्षक और छात्र के बीच का संबंध भी बदल गया है। पहले शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और संरक्षक होते थे। आज यह संबंध औपचारिक हो गया है। कई शिक्षक अपनी भूमिका को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखते हैं। वे छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, उनके भावनात्मक संघर्षों और उनके आंतरिक द्वंद्व को समझने का प्रयास नहीं करते। यह दूरी छात्रों को और अधिक अकेला बना देती है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निर्माताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि उच्च शिक्षण संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं। राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास द्वारा इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग करना एक सकारात्मक कदम है, लेकिन केवल जांच समितियां बनाना समस्या का समाधान नहीं है। समितियां रिपोर्ट दे सकती हैं, लेकिन वे खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकतीं। आवश्यकता इस बात की है कि हम समस्या की जड़ तक पहुंचें और उसे दूर करने के लिए ठोस और दीर्घकालिक उपाय करें। छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति को केवल मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा मानना भी पर्याप्त नहीं है। यह एक व्यापक सामाजिक संकट है, जिसमें शिक्षा प्रणाली, पारिवारिक संरचना, सामाजिक अपेक्षाएं और व्यक्तिगत मनोविज्ञान सभी शामिल हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम एक ऐसे समाज में जी रहे हैं, जहां सफलता की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को पीछे छोड़ दिया है। यहां हर कोई आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन यह भूल जाता है कि इस दौड़ में पीछे छूटने वाले भी इंसान हैं। इस समस्या का समाधान केवल नीतिगत बदलावों से नहीं होगा, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन की आवश्यकता है। सबसे पहले, हमें शिक्षा की परिभाषा को बदलना होगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संतुलित और सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण होना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। छात्रों को यह सिखाया जाना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। दूसरे, अभिभावकों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें अपने बच्चों को यह समझाना होगा कि वे उनसे अधिक महत्वपूर्ण हैं, न कि उनकी सफलता। उन्हें बच्चों पर अपनी अपेक्षाओं का बोझ नहीं डालना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने सपनों को पहचानने और उन्हें पूरा करने की स्वतंत्रता देनी चाहिए। तीसरे, शिक्षण संस्थानों को अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से समझना होगा। उन्हें केवल अकादमिक उत्कृष्टता पर नहीं, बल्कि छात्रों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना होगा।

ललित गर्ग

भारत में बेरोजगारी एक...

डॉ. शैलेश शुक्ला

शोध संस्कृति के क्षेत्र में पिछड़ता भारतः अधूरे विकास की गंभीर चुनौती

भारत को लंबे समय से ज्ञान, शिक्षा और बौद्धिक परंपरा का देश माना जाता रहा है। प्राचीन काल में यहाँ तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वप्रसिद्ध शिक्षण केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन और शोध के लिए आते थे। उस समय भारत ज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी था परंतु आज की स्थिति इस गौरवशाली परंपरा के अनुरूप नहीं है। वर्तमान समय में जब पूरी दुनिया ज्ञान-आधारित विकास की ओर बढ़ रही है, तब भारत में शोध की संस्कृति अपेक्षित स्तर तक विकसित नहीं हो पाई है। यही कारण है कि अनेक गंभीर समस्याएँ, जिनका समाधान शोध के माध्यम से संभव था, आज भी जस की तस बनी हुई हैं। विशेष रूप से बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे इस कमी के सबसे बड़े उदाहरण हैं। यदि हम विश्व स्तर पर तुलना करें तो स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि भारत शोध के क्षेत्र में विकसित देशों से काफी पीछे है। विश्व के अनेक प्रतिष्ठित आंकड़ों के अनुसार भारत अपने कुल राष्ट्रीय उत्पादन का बहुत ही छोटा हिस्सा शोध पर खर्च करता है। इसके विपरीत, विकसित देश अपने संसाधनों का बड़ा भाग अनुसंधान और नवाचार पर निवेश करते हैं। यही कारण है कि वहाँ नई तकनीकें विकसित होती हैं, नए उद्योग स्थापित होते हैं और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं।

भारत में यह प्रक्रिया धीमी है, क्योंकि शोध को अभी तक राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में उतनी गंभीरता से नहीं लिया गया है। शोध के क्षेत्र में पिछड़ने का एक बड़ा कारण हमारे शैक्षणिक संस्थानों की स्थिति भी है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शोध का कार्य अक्सर औपचारिकता बनकर रह गया है। शोधार्थी केवल डिग्री प्राप्त करने के उद्देश्य से शोध करते हैं, न कि समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान खोजने के लिए। शोध प्रबंधों की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्न उठते रहे हैं। अनेक बार यह देखा गया है कि शोध में मौलिकता का अभाव होता है और पहले से उपलब्ध सामग्री को ही दोहराया जाता है। इससे न तो ज्ञान में कोई नई वृद्धि होती है और न ही समाज को कोई ठोस लाभ मिलता है। इसके विपरीत, विकसित देशों में शोध को समाज और उद्योग से सीधे जोड़ा जाता है। वहाँ विश्वविद्यालय, उद्योग और शासन के बीच एक सशक्त समन्वय होता है। शोध केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका सीधा उपयोग नई तकनीकों, उत्पादों और सेवाओं के रूप में होता है। यही कारण है कि वहाँ की अर्थव्यवस्था अधिक गतिशील और सशक्त होती है। भारत में इस प्रकार का समन्वय अभी प्रारंभिक अवस्था में है जिससे शोध के परिणामों का व्यापक उपयोग नहीं हो पाता।

भारत में बेरोजगारी एक गंभीर और लगातार बनी रहने वाली समस्या है। यदि इस विषय पर गहराई से शोध किया गया होता, तो इसके स्थायी समाधान खोजे जा सकते थे। बेरोजगारी के अनेक कारण हैं—शिक्षा और उद्योग के बीच असंगति, कौशल विकास की कमी, और रोजगार के अवसरों का असमान वितरण। इन सभी पहलुओं पर ठोस और व्यापक शोध की आवश्यकता थी परंतु इस दिशा में अपेक्षित प्रयास नहीं हुए। परिणामस्वरूप, बड़ी संख्या में शिक्षित युवा आज भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यदि शोध के माध्यम से शिक्षा प्रणाली को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाता, तो यह समस्या काफी हद तक कम की जा सकती थी। इसी प्रकार भ्रष्टाचार भी एक ऐसी समस्या है, जो लंबे समय से देश के विकास में बाधा बन रही है। भ्रष्टाचार केवल नैतिक समस्या नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और प्रशासनिक अक्षमता का भी परिणाम है। यदि इस विषय पर गहन और निरंतर शोध किया जाता, तो इसके मूल कारणों की पहचान कर प्रभावी नीतियाँ बनाई जा सकती थीं। उदाहरण के लिए, प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जटिलता, पारदर्शिता की कमी और जवाबदेही का अभाव—ये सभी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं। शोध के माध्यम से इन समस्याओं का विश्लेषण कर सरल और पारदर्शी व्यवस्थाएँ विकसित की जा सकती थीं, जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण पाया जा सकता था। शोध के क्षेत्र में पिछड़ने का एक और महत्वपूर्ण कारण वित्तीय संसाधनों की कमी है। भारत में शोध के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध नहीं कराया जाता, जिससे वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

मौलिक...

डॉ. ब्रजेश कुमार मिश्र

महिला आरक्षण संशोधन विधेयक 2026: विवाद के मूल प्रश्न

भारतीय लोकतन्त्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के निमित्त वर्ष 2023 में 'महिला आरक्षण अधिनियम 2023' एक ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया जिसके अन्तर्गत अनुच्छेद 330A, 332A और 334A जोड़ा गया। यह प्रावधान स्पष्ट करता है कि लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली की विधानसभा में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण तुरन्त लागू नहीं होगा बल्कि अधिनियम के बाद होने वाली पहली जनगणना के आंकड़ों के प्रकाशित होने के पश्चात ही प्रभावी होगा। इसके लागू होने के बाद यह व्यवस्था अधिकतम पन्द्रह वर्षों तक ही प्रभावी रहेगी। साथ ही यह भी निर्धारित किया गया है कि आरक्षित सीटों का चक्रानुक्रम प्रत्येक परिसीमन के बाद बदला जाएगा ताकि आरक्षण स्थायी न होकर गतिशील और सन्तुलित बना रहे। चूंकि यह विधेयक अब तक मूर्त रूप नही ले सका था क्योंकि बिना परिसीमन के यह असम्भव था और इसके लिए जनगणना की भी आवश्यकता थी और इस पूरी प्रक्रिया में देरी न हो और 2029 के आम चुनाव के पूर्व यह विधेयक व्यवहार में आ जाए, इसी कारण 131 वां संविधान संशोधन विधेयक 2026 प्रस्तुत किया गया। यह संविधान संशोधन विधेयक था और इसके पारित होने के लिए अनुच्छेद 368 के अनुसार दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी।17अप्रैल 2026 को लोकसभा में इसके पक्ष में 298 और विरोध में 230 मत पड़े जबकि लोकसभा की वर्तमान सदस्य संख्या 540 के लिहाज से इसे पारित करने के लिए लगभग 362 मतों की आवश्यकता थी।इस प्रकार यह विधेयक पारित नहीं हो पाया। विगत 12 वर्षों में पहला अवसर था जब कोई विधेयक संसद में पारित न हुआ हो। इसने यह स्पष्ट कर दिया कि संवैधानिक संशोधन केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति से नहीं, बल्कि व्यापक सहमति से ही सम्भव होते हैं। इस पूरे संसदीय घटनाक्रम के बाद पक्ष और विपक्ष के मध्य आरोप- प्रत्यारोप का दौर जारी है। मौलिक प्रश्न यह है कि यह विधेयक क्या गैर संवैधानिक था ? क्या यह संघीय ढांचे को नुकसान पहुँचा रहा था ? क्या इससे वाकई दक्षिण के राज्यों को नुकसान होता ? इन सारे प्रश्नों की पड़ताल के लिए 131 वें संविधान संशोधन विधेयक 2026के प्रारूप और लोकसभा नियम संख्या 66 को जानना होगा।

131 वां संविधान संशोधन विधेयक 2026 का प्रारूप मूलतः भारत में लोकसभा की संरचना, राज्यों के बीच सीटों के पुनर्वितरण और परिसीमन की पूरी प्रक्रिया को पुनर्गठित करने से सम्बन्धित था। इसके अन्तर्गत यह प्रस्ताव किया गया था कि लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या को बढ़ाकर 850 तक किया जा सकता है, जिसमें अधिकांश सीटें राज्यों के लिए तथा कुछ केन्द्रशासित प्रदेशों के लिए निर्धारित हों।

आध्यात्मिक चेतना से राष्ट्रीय एकता के संस्थापक आदिगुरु शंकराचार्य जी

जब आध्यात्मिक अंधकार मानवता को घेर लेता है और धर्म के शाश्वत सिद्धांत विलुप्त होने के कगार पर होते हैं, तब परम चेतना ब्रह्माण्डीय व्यवस्था को पुनर्स्थापित करने के लिए मानव रूप धारण करती है। ये दिव्य अवतार विशिष्ट रूपों और उद्देश्यों के साथ प्रकट होते हैं, जो अपने समय के आध्यात्मिक संकटों को दूर करने के लिए विशिष्ट रूप से उपयुक्त होते हैं। श्री आदि शंकराचार्य इन प्रकाशमान व्यक्तियों में भगवान शिव के अवतार के रूप में विराजमान हैं, जिनका बारह शताब्दी पूर्व प्रकट होना भारत के आध्यात्मिक परिदृश्य को रूपांतरित करने, वेदांत के गहन ज्ञान को पुनर्जीवित करने और विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का कारण बना। यह सर्वमान्य है कि यदि आज सनातन धर्म फलता-फूलता है और हमें इसके आध्यात्मिक खजानों का लाभ उठाने का अवसर देता है, तो यह मुख्य रूप से श्री शंकराचार्य के दिव्य हस्तक्षेप और अथक परिश्रम के कारण ही संभव है। उनकी विरासत विश्व भर के साधकों के लिए मार्ग को प्रकाशित करती रहती है, और शाश्वत ज्ञान की जीवंत परंपरा की नींव के रूप में कार्य करती है। श्री आदिगुरु शंकराचार्य का जन्म दक्षिण भारत के केरल प्रदेश के कालड़ी (कालटी/कालादि) नामक ग्राम में हुआ ऐसा माना जाता है। बाल्यकाल से ही वे अत्यंत कुशाग्र बुद्धि और प्रतिभाशाली थे। उन्होंने अपनी मातृभाषा के साथ-साथ वेद, उपनिषद, पुराण और अन्य शास्त्रीय विषयों का अध्ययन अल्पायु में ही प्रारंभ कर दिया। उनके पिता का देहांत बचपन में ही हो गया, जिसके बाद उनकी माता ने उनका उपनयन संस्कार कराकर उन्हें गुरुकुल में विधिवत् शिक्षा हेतु भेजा। वहाँ उन्होंने वेद-शास्त्र, वेदांग, दर्शन आदि का गहन अध्ययन किया और शीघ्र ही अपनी विलक्षण प्रतिभा के कारण विद्वानों में प्रतिष्ठा प्राप्त की।

राकेश सैन

जरा हटके

भारत की ...

डा.वेदप्रकाश

जन-जन को मिले जलाधिकारं

कुछ लोग जल का व्यापार करें और कुछ लोग बूंद बूंद को तरसें। क्या यह जन-जन के जलाधिकार का हनन नहीं है? शासन- प्रशासन मौन क्यों है? क्या हम नहीं जानते कि जल जीवन तत्व है,अमृत है और प्रत्येक जीवधारी के लिए परमात्मा द्वारा दिया गया उपहार है। जल के बिना न तो जीवन संभव है और न ही प्रकृति-संस्कृति की संकल्पना साकार हो सकती है। पृथ्वी पर लगभग 70 प्रतिशत जल होने पर भी पेयजल लगभग 03 प्रतिशत ही है। आज जब जनसंख्या की दृष्टि से भारत सबसे आगे है। नदी, कुएं ,तालाब, बावड़ियां, झरनें और भूजल निरंतर प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। तब क्या हमें जल के संरक्षण- संवर्धन और सदुपयोग पर गंभीरता से विचार नहीं करना चाहिए? ध्यातव्य है कि विगत दिनों इंदौर सहित देश में कई स्थानों पर प्रदूषित पानी पीने से कई लोग असमय मृत्यु के शिकार हो गए। यदि उन्हें स्वच्छ जल का अधिकार मिला होता तो आज वे जीवित होते।

भारत की त्यागपूर्वक भोग की संस्कृति ने सर्वे भवंतु सुखिनः के माध्यम से सबके सुख की कामना की है। कुएं, हैंडपंप, झरने और बावड़ियों से उतना ही जल लिया जाता था, जितनी आवश्यकता होती थी। सभी की चिंता करते हुए सभी को पर्याप्त और स्वच्छ जल की उपलब्धता हेतु धनी लोग जगह-जगह कुंए और प्याऊ बनवाते थे। पानी खरीदने और बेचने का विचार ही नहीं था। आज भारत में मानक व अमानक, वैध एवं अवैध से परे सैकड़ों नामों से पैकेज्ड पानी बिक रहा है। पैकेज्ड पानी का व्यापार करने वाली 10 शीर्ष कंपनियों में बिसलेरी, किनले,एक्वाफिना, रेल नीर, टाटा वाटर प्लस, ऑक्सीरिच, किंगफिशर, हिमालयन, बेले एवं नेस्ले प्रमुख हैं। इन कंपनियों का वार्षिक व्यापार लगभग 20 हजार करोड़ रुपए है जिसमें 32 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बिसलेरी सबसे ऊपर है। बाजार में एक लीटर पानी की कीमत लगभग 20 रुपये है। एक स्वस्थ व्यक्ति को

दिन में लगभग 3 लीटर पानी पीना चाहिए, यानी एक व्यक्ति दिन में लगभग 60-70 रुपये का पानी पीता है। परिवार के हिसाब से यह खर्च लगभग 300-400 रुपये प्रति परिवार हो जाता है। क्या यह परिवार की आर्थिकी को प्रभावित नहीं करता? क्या किसी गरीब व्यक्ति के लिए खरीद कर पानी पीना संभव है?

जानकारी के अनुसार भारत में पैकेज्ड पानी का चलन 1960 के दशक में शुरू हुआ। कुएं, तालाब, बावड़ी और प्याऊ आदि पर उपलब्ध जल में सभी का अधिकार होता था लेकिन धीरे-धीरे औद्योगीकरण एवं भिन्न-भिन्न प्रकार के प्रदूषणों से ये जल स्रोत प्रदूषित होने लगे। प्याऊ खत्म कर दी गई और विज्ञापनों के माध्यम से बोतल बंद पानी पीने वालों को ही स्वस्थ और सभ्य दिखाया जाने लगा। प्रश्न यह है कि जब जल पर मानव सहित सभी जीवधारियों का अधिकार है तो उसे भूगर्भ से निकालकर, नदी-झरनों से लेकर व्यावसायिक प्रयोग के लिए कुछ कंपनियां अथवा लोग कैसे दोहन कर सकते हैं? देश के अनेक हिस्सों में अवैध रूप से नदियों, झरनों और भूगर्भ से जल निकालकर खुलेआम बेचा जा रहा है। नदियां और झरनें सूख रहे हैं। उनके बहाव क्षेत्र में रहने वाले लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में ये लोग आवश्यकता के लिए पानी खरीदने को मजबूर हैं। क्या यह इन लोगों के जलाधिकार का हनन नहीं है? क्या व्यवसाय के लिए दोहन कर रहे लोग इस जल के बदले किसी को कोई कीमत दे रहे हैं? देश के कई हिस्सों में और विशेष रूप से महानगरों व पर्वतीय क्षेत्रों में शासन- प्रशासन की मिलीभगत से जल माफिया पनप रहे हैं।

शरीर की निरामयता रहें

धर्म एक महान तत्त्व हैं । उसकी साधना- आराधना में शरीर का भी योग अपेक्षित हो सकता हैं । एक सूक्त में कहा गया हैं कि शरीर धर्म का साधन हैं । धर्म की साधना में सूक्ष्म शरीर, कार्मण शरीर और स्थूल शरीर तीनों का योगदान होता हैं । स्थूल शरीर की अनुकूलता होने पर कई- कई घंटों तक स्वाध्याय किया जा सकता हैं । वह खड़े- खड़े ध्यान भी किया जा सकता हैं । शरीर की अनुकूलता न होने पर घंटों- घंटों बैठकर अथवा खड़े होकर आदि स्वाध्याय या ध्यान करना संभव नहीं हो पाता हैं । बहुत कम लोग समझते हैं कि हमारी काया के दो मुख्य अंग शरीर और आत्मा हैं । ये दोनों ही संग-संग रहते हैं । इन्हीं में जीवन का समस्त है। ये दोनों जब तक हैं जीवन सब तरह से स्वस्थ आनन्दमय मस्त भी रहेगा । जैसे तन बदन के लिए भोजन जरूरी है वैसे ही आत्मा के लिए नियमित ध्यान, जप , तप और आत्मचिंतन आवश्यक है। हम आज सुख बाहरी चीजों में ढूंढ रहे हैं, पर असली सुख तो हमारे अन्दर के समन्दर में है । हम उसे पाने के लिए नियमित रोज कुछ समय खुद के साथ बितायें। वह मन से अंतरंग बात करें । हमारे मन की जिससे चंचलता समाप्त होगी। वह अंतःशान्ति व्याप्त होगी। विचार स्पष्ट होंगे। सब दुविधाएं नष्ट होंगी। इस तरह की दैनिक साधना हमें अनावश्यक ऊलजलूल विचारों से विरक्ति की शक्ति देती हैं । हमारे अन्दर आत्मबल बढेगा और जीवन सुन्दर बनेगा। साधु का शरीर अनुकूल हो तो लम्बे विहार भी हो सकतें हैं । वह अवस्था या अनुकूल न हो तो लंबा विहार करना भी मुश्किल हो जाता हैं । आचार्य श्री तुलसी कोलकता पधारें और वहां से चातुर्मास सम्पन्न कर एक ही शेषकाल में राजनगर, केलवा आदि पधार गए । एक शेषकाल में उनकी संभवतः यह सबसे लंबी यात्रा रही । सेवा करनी है तो भी शरीर की अनुकूलता होनी चाहिए ।गोचरी करना , व्यख्यान देना , लोगो को आध्यात्मिक सेवा देना आदि इन सबके लिए शरीर का आनुकूल्य आवश्यक होता हैं । शरीर संपदा का उपयोग अच्छे कार्यों में भी , बुरे कार्यों में भी किया जा सकता हैं अथवा यह भी हो सकता हैं कि कोई इसका उपयोग ही न करें । शरीर संपदा को मानने के चार कोण या और भी हो सकतें हैं । पहला कोण सौंदर्य हैं । शरीर संपदा का दूसरा कोण शारीरिक स्वस्थता निरामयता हैं । तीसरा शरीर की बलवत्ता हैं । चौथा इन्द्रिय सक्षमता हैं । शरीर की सुंदरता भी आवश्यक होती हैं, यद्यपि शरीर की सुंदरता का इतना अधिक महत्त्व नहीं हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

13 महीने बाद जेल से प्रेमी साहिल के साथ पुलिस वैन में आई, चारों तरफ पुलिस का घेराव रहा

नीले ड्रम वाली मुस्कान गोद में बेटी लेकर कोर्ट पहुंची

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ के बहुचर्चित सौरभ हत्याकांड में आरोपी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया। दोनों को जेल से भारी सुरक्षा के बीच कोर्ट लाया गया। दोनों करीब 46 मिनट तक कोर्ट में रहे। इस दौरान साहिल से 20 मिनट और मुस्कान से 16 मिनट तक जज ने सवाल-जवाब किए। इसके बाद पुलिस दोनों को जिस तरह कोर्ट लाई थी, उसी तरह वापस जेल लेकर चली गई।

इससे पहले साहिल को लेकर पुलिस कोर्ट पहुंची। वह सफेद टोपी और राउंड नेक की सफेद टी-शर्ट पहने था। पुलिस की गाड़ी से उतरने के बाद साहिल ने सिर नीचे झुका लिया, सिपाहियों के इशारे पर चलता रहा। कुछ वकीलों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें पीछे धकेल दिया। इसके बाद साहिल को लेकर पुलिसकर्मी कोर्ट पहुंचे। कुछ देर बाद पुलिस मुस्कान को लेकर पहुंची। वह पीले रंग का प्रिंटेड सूट और काला दुपट्टा पहने थी। चेहरे पर काला मास्क लगा रखा था। गोद में 6 महीने की बच्ची लिए थी। नजर झुकाए मुस्कान कोर्ट में प्रवेश कर गई। बच्ची को भी दुपट्टे से लपेट रखा था। चारों तरफ पुलिस का घेरा था, किसी को भी मुस्कान की तरफ आने नहीं दिया गया। मुस्कान-साहिल केस में सुनवाई की अगली तारीख 28 अप्रैल तय की गई है। संभावना है कि इसी दिन अदालत अपना फैसला सुना सकती है और दोनों को सजा भी हो सकती है।

यह सौरभ की मां रेनू देवी हैं, जिनका कहना है कि मुस्कान और साहिल को फांसी हो।

18 मार्च, 2025 को मुस्कान को पति सौरभ की हत्या के मामले में गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था, तब से अब तक यानी करीब 13 महीने बाद वह पहली बार नजर आई है। साहिल से ठीक पहले सौरभ की मां और भाई भी कोर्ट पहुंचे थे। उन्हें पुलिसकर्मियों ने पहले ही रोक दिया।

पहली बार फिजिकल पेशी हुई

नीला ड्रम कांड के नाम से चर्चित इस मामले में अब धारा- 313 की कार्रवाई शुरू हो गई है। यानी जज अब सीधे आरोपियों से सवाल-जवाब कर रहे हैं। सुनवाई की पहली तारीख 15 अप्रैल तय थी, लेकिन विशेष कारणों से उस दिन सुनवाई नहीं हो सकी। इसके बाद 18 अप्रैल की तारीख लगी, लेकिन उस दिन भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। अब इस मामले में 21 अप्रैल यानी आज सुनवाई हो रही है।

प्रेमी के लिए पति को काटकर नीले ड्रम में भरने वाली मुस्कान 13 महीने बाद पहली बार सामने आई। उसकी गोद में 6 महीने की बेटी भी थी।

लंबे समय के बाद साथ दिखे साहिल-मुस्कान

चौधरी चरण सिंह जिला कारागार से पुलिस टीम साहिल और मुस्कान को लेकर करीब 2:30 बजे निकल गई। वहां से दोनों को लेकर सीधे कचहरी चौकी पहुंची। यहां करीब 15 मिनट दोनों एक साथ रहे। दोनों को पुलिस जीप में ही रखा गया था। हालांकि, महिला पुलिसकर्मी भी उसी गाड़ी में मौजूद थी।

क्रेडिट कार्ड से 50,470 की ऑनलाइन ठगी

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। थाना मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र में एक व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड से अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा 50,470 की ऑनलाइन ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस से ई-एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र के ग्राम सांडभारी पोस्ट बेलहरा निवासी सरोज कुमार पुत्र शिव दास ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके नाम से एक्सिस बैंक (Axis Bank) का एक क्रेडिट कार्ड जारी है, जिसका उपयोग वे निजी कार्यों के लिए करते हैं। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने कभी भी अपने कार्ड की गोपनीय जानकारी जैसे OTP, CVV या पासवर्ड किसी के साथ साझा नहीं की है। पीड़ित के अनुसार, दिनांक 9 अप्रैल 2026 को उनके क्रेडिट कार्ड से कुल 50,470 की राशि ऑनलाइन माध्यम से अज्ञात व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा धोखाधड़ीपूर्वक निकाल ली गई। उस समय उन्हें इस लेन-देन की कोई जानकारी नहीं हुई और न ही उन्होंने इस प्रकार का कोई भुगतान किया था। इस घटना का खुलासा 17 अप्रैल 2026 को तब हुआ जब बैंक द्वारा उन्हें कार्ड पर हुए खर्च की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही पीड़ित के होश उड़ गए और उन्होंने तुरंत बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क कर पूरे मामले से अवगत कराया। बैंक अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से उनका क्रेडिट कार्ड ब्लॉक कर दिया, जिससे आगे किसी प्रकार की अनधिकृत ट्रांजैक्शन न हो सके।

फास्ट न्यूज

गाजीपुर में बीसी सखियों का प्रदर्शन

गाजीपुर। गाजीपुर जनपद की बैंक कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) सखियों ने मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने 75 हजार रुपये का ऋण माफ करने और निश्चित मासिक मानदेय तय करने की मांग की। सखियों ने बताया कि प्रदेश सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उनका चयन किया था। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें 75 हजार रुपये का ऋण दिया गया था।

'आपके अकाउंट में आतंकवादी ने पैसे भेजे हैं'

गोरखपुर । गोरखपुर के राजघाट थाना क्षेत्र के रिटायर्ड कर्मी रुपेश कुमार श्रीवास्तव को डिजिटल अरेस्ट कर 5.50 लाख रुपये जालसाज ने अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। जालसाज ने एटीएएस अधिकारी बनकर वीडियो कॉल की। उसने बोला आतंकवादी ने मनी लांड्रिंग के तहत आपके खाते में पैसे भेजे हैं। इसकी जांच करनी है। इस तरह डरा कर जांच के नाम पैसे मंगाए। जालसाजी का अहसास होने पर रुपेश कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को राजघाट थाने में तहरीर देकर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

'नवागत जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने संभाली बाराबंकी की कमान'

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। आज मंगलवार को नवागत जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने जनपद बाराबंकी की कमान संभाली है। उन्होने जनपद में 65वें जिलाधिकरी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। नवागत जिलाधिकारी महोदय 2017 बैच की आई0ए0एस0 अधिकारी है। इससे पहले वे विशेष सचिव, मुख्यमंत्री , उत्तर प्रदेश शासन के पद पर तैनात थे। पद संभालने के पश्चात् जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनपद में सुशासन एवं पारदर्शिता के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समय से पहुंचे। जिलाधिकारी ने बताया कि वह जनपद में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, विकास कार्यों की गति तेज करने तथा शिकायतों के प्रभावी समाधान पर विशेष ध्यान देंगे। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए जनसुनवाई को प्राथमिकता दी जाएगी

नौकरी का झांसा, फिर तमिलनाडु में हत्या

बख्शी का तालाब। लखनऊ के युवक की तमिलनाडु में हत्या का मामला सामने आया है। नौकरी दिलाने के बहाने उसे घर से ले जाया गया और सैकड़ों किलोमीटर दूर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने खुलासा करते हुए 2 युवक और एक महिला को गिरफ्तार किया है।

BKT के महिगवां थाना क्षेत्र के रमपुरवा निवासी सौरभ रावत को 10 अप्रैल को आरोपी अपने साथ ले गए थे। परिजनों को बताया गया कि उसे नौकरी दिलाई जाएगी। इसके बाद तीनों उसे लेकर तमिलनाडु पहुंच गए। वहीं, तमिलनाडु के जोलारपेट्टई रेलवे जंक्शन पर सौरभ की हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी चुपचाप वापस लौट आए और परिजनों को कोई जानकारी नहीं दी।इधर, सौरभ से बात नहीं होने पर मां मनोरमा परेशान हो गईं। काफी तलाश के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो 19 अप्रैल को महिगवां थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। इसके बाद पुलिस हरकत में आई।

बरेली में बदला स्कूल टाइम, प्रशासन सख्त मोड में, डीएम का कड़ा आदेश

भीषण गर्मी का असर

- 40 डिग्री पार पारा, बच्चों की सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला
- सुबह 7:30 से दोपहर 12 बजे तक ही लगेंगी कक्षाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

मौसम विशेषज्ञों ने भी चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में गर्मी और विकराल रूप ले सकती है। ऐसे में छोटे बच्चों को लंबे समय तक बाहर रखना जोखिम भरा हो सकता है।

लापरवाही पर होगी कार्रवाई

बरेली। अप्रैल अभी आधा भी नहीं बीता और गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को जैसे ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा, शहर में लू जैसे हालात बन गए। चिलचिलाती धूप और झुलसा देने वाली गर्म हवाओं ने जनजीवन को बेहाल कर दिया। हालात को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन तुरंत हरकत में आया और बच्चों की सेहत को प्राथमिकता देते हुए बड़ा निर्णय ले लिया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूलों के समय में बदलाव का आदेश जारी कर दिया है। अब जिले के परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई समेत सभी बोर्ड के विद्यालय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक ही संचालित होंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। उधर, प्रशासन ने सभी स्कूलों को सख्त निर्देश दिए हैं कि आदेश का हर हाल में पालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी तरह की लापरवाही या मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही स्कूल प्रबंधन को बच्चों के लिए ठंडे पानी, पंखे और कूलर की पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। अभिभावकों से भी अपील की गई है कि वे बच्चों को स्कूल भेजते समय पूरी सावधानी बरतें। बच्चों को पानी की बोतल जरूर दें, हल्के और सूती कपड़े पहनाएं और सिर ढककर भेजें, ताकि लू से बचाव हो सके। बढ़ती गर्मी के बीच प्रशासन का यह कदम राहत भरा जरूर है, लेकिन यह भी संकेत दे रहा है कि आने वाले दिनों में मौसम और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। फिलहाल फोकस साफ है—बच्चों को सुरक्षित रखना सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

दोपहर की तेज धूप छोटे बच्चों के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक

प्रशासन का मानना है कि दोपहर की तेज धूप छोटे बच्चों के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक होती है। ऐसे में समय में बदलाव कर उन्हें लू के प्रकोप से बचाने की कोशिश की गई है। पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ते तापमान ने लोगों को घरों में कैद होने पर मजबूर कर दिया है। दोपहर के वक्त सड़कें सुनसान नजर आ रही हैं।

इस्कॉन के साथ छात्रों ने किया हरे कृष्ण महामंत्र का संकीर्तन

केएम विश्वविद्यालय में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर सेमीनार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। केएम विश्वविद्यालय में मंगलवार को 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' (इंडियन नॉलेज सिस्टम) विषय पर एक भव्य सेमीनार का आयोजन किया गया। वृंदावन स्थित इस्कॉन संस्थान के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने छात्रों को जीवन के वास्तविक उद्देश्य और आध्यात्मिकता के वैज्ञानिक महत्व से अवगत कराया एवं युवाओं को प्रतिदिन कम से कम 10 मिनट महामंत्र का जाप करने का सुझाव दिया ताकि वे मानसिक शांति और एकाग्रता प्राप्त कर सकें।

सेमीनार के मुख्य अतिथि केएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने बताया यह कार्यक्रम छात्र-छात्रों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। उन्हें न केवल शैक्षणिक दबाव को संभालने के सूत्र मिले, बल्कि जीवन के प्रति एक सकारात्मक और अनुशासित दृष्टिकोण अपनाने की नई दिशा भी प्राप्त हुई है। सेमीनार में पूर्व सलाहकार स्त्री रोग ऑन्कोसर्जन डॉ. रीना अधिकारी ने मंत्र ध्यान की महत्ता और उसके जीवन पर सकारात्मक प्रभावों को अत्यंत सरल और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। उन्होंने 'पुनर्जन्म' और 'कर्म' के सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जिस प्रकार मछली केवल जल में सुखी रहती है, उसी प्रकार जीवात्मा को परमात्मा के नाम जप से ही वास्तविक शांति मिल सकती है। उन्होंने छात्रों को तनाव मुक्त जीवन के लिए दैनिक मेडिटेशन की सलाह देते हुए कहा नियमित मंत्र ध्यान से आपका मन शांत होता है, नकारात्मक विचारों में कमी आयेगी और भावनात्मक दृढ़ता बढ़ती जायेगी। कार्यक्रम के दौरान इस्कॉन मंदिर वृंदावन से आए भगवान प्रभु, डा. राधाचरण दास, अमन प्रभु ने भजन एवं मंत्रोच्चारण के माध्यम से छात्र-छात्राओं को एक आध्यात्मिक अनुभव प्रदान किया। उनके आह्वान पर जब पूरा सभागार 'हरे कृष्ण, हरे कृष्ण' के महामंत्र से गूंजा, तो उपस्थित छात्र-छात्राएं भक्ति रस में सराबोर नजर आए।

इस्कॉन वृंदावन के परमात्मा प्रभु ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य का निर्धारण अनिवार्य है। महाभारत के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि ईश्वर के संपर्क में रहने से हृदय शुद्ध होता है और बुरी आदतें स्वतः ही छूट जाती हैं।

बाबा विश्वनाथ का विशेष जलधरी से जलाभिषेक

वाराणसी । देशभर में गर्मी का प्रकोप जारी है। गर्मी से बचने के लिए लोग तरह तरह के उपाय कर रहे हैं। इस बीच धर्म नगरी काशी में भक्त और भगवान के बीच अटूट प्रेम की एक तस्वीर सामने आई है। दरअसल 300 सालों से चली आ रही परंपरा के अनुसार इस साल भी काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा पर जलधारी (फव्वारा) के जरिए गंगा जल से अटूट जलाभिषेक किया जा रहा है। मंदिर के अर्चक श्रीकांत ने बताया, कि अक्षय तृतीया से ग्रीष्म ऋतु का प्रभाव और भी तीखा हो जाता है। जिसको देखते हुए बाबा विश्वनाथ के गर्भगृह में जलधारी लगाई जाती है। इस जलधारी के जरिए गंगा जल से अटूट जल की धारा से बाबा का अभिषेक होता है। परंपरानुसार मध्यान भोग आरती के बाद से पूरे दोपहर भर इस जलधारी से बाबा का अभिषेक किया जाता है। वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि यानी अक्षय तृतीया से इसकी शुरुआत होती है ।

पुरनिया गांव में शोलर लाइटें बनी शोपीस, ग्रामीणों में रोष व्याप्त

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । जनपद के विकासखंड सिरौली गौसपुर की ग्राम पंचायत मरकामऊ के मौजा पुरनिया गांव में लगी हुई सोलर लाइटें शोपीस साबित हो रही है। विदित हो कि ग्रामीणों को प्रकाश व्यवस्था मुहैया कराए जाने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधानों के द्वारा सोलर लाइटें लगवाई गई थी। यह व्यवस्था देखकर ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई थी कि अब गांव के गली कूचे विद्युत की रोशनी से जगमगा जाएंगे परंतु सोलर लाइटों के लगवाने में ग्राम प्रधानों के द्वारा जमकर के मनमानी की गई मामला विकासखंड सिरौली गौसपुर की ग्राम पंचायत मरकामऊ के मौजा पुरनिया गांव का है जहां पर लगी हुई सोलर लाइटें वर्तमान समय में शोपीस साबित हो रही है। जिसके संबंध में ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान को अवगत भी कराया परंतु अनदेखी ! नतीजा शून्य रहा जिससे ग्रामीणों में गुस्सा , रोष व्याप्त है।

भीषण गर्मी में बुजुर्गों का सहारा बना रोटरी क्लब

गोरखपुर। गोरखपुर में बढ़ती गर्मी को देखते हुए रोटरी क्लब मिडटाउन ने एक बहुत ही नेक काम किया है। क्लब की ओर से बड़गो इलाके स्थित 'गोकुलधाम वृद्ध आश्रम' में रहने वाले बुजुर्गों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया गया। क्लब के मेंबर्स ने सेवाकार्य करते हुए आश्रम में एक नई RO मशीन लगवाई। जिससे वहां रहने वाले बुजुर्गों को शुद्ध और साफ पानी मिल सकेगा, जिससे वे बीमारियों से भी बच सकेंगे।

तैयारी : लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख का हमला-महिला आरक्षण

2027 में भाजपा जाएगी विपक्ष में पीडीए करेगा सत्ता परिवर्तन : अखिलेश यादव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता में रहते हुए ही भाजपा विपक्ष में बैठने की तैयारी कर रही है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के चुनाव में भाजपा सत्ता से बाहर हो जाएगी और PDA (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) गठबंधन सरकार बनाएगा।

मंगलवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभिन्न दलों से आए नेताओं को पार्टी में शामिल कराने के बाद उन्होंने यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि इतिहास में पहली बार PDA परिवार एकजुट होकर भाजपा को हराने जा रहा है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं। उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध सबसे अधिक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी सरकार के दौरान शुरू की गई 1090 वूमेन पावर लाइन और 102 एम्बुलेंस सेवा को कमजोर कर दिया गया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि गाजीपुर की घटना को लेकर सपा का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने जाएगा और कानूनी व आर्थिक सहायता देगा। उन्होंने नोएडा में मजदूरों पर हो रही कार्रवाई पर सवाल उठाए और कहा कि मजदूरों को अन्य राज्यों के बराबर मजदूरी क्यों नहीं दी जा रही। साथ ही, उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन्हें झूठे मामलों में फंसा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने बिजली विभाग में बड़े पैमाने पर घपलेबाजी और स्मार्ट मीटर घोटाले का आरोप लगाते हुए कहा कि उपभोक्ताओं का शोषण किया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए ही भाजपा को सत्ता से बाहर करेगा और प्रदेश में सामाजिक न्याय की सरकार स्थापित करेगा। उन्होंने इंडिया गठबंधन की संसद में मिली सफलता को लोकतंत्र की ऐतिहासिक जीत बताते हुए सभी सहयोगी दलों को बधाई दी।

महिला आरक्षण पर भाजपा पर साधा निशाना

सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी विचारधारा हमेशा महिलाओं के आरक्षण के पक्ष में रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकने के लिए साजिश करती है। उन्होंने कहा कि 2023 में संसद से पारित महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा के नेता जनता को गुमराह कर रहे हैं और झूठा प्रचार कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जातीय जनगणना कराने से बच रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आरक्षण आबादी के आधार पर मिलना है, तो बिना गिनती के यह कैसे संभव होगा। उन्होंने भाजपा पर झूठ और प्रोपेगेंडा के सहारे राजनीति करने का आरोप लगाया।

अज्ञात कारणों से आग लगने से झोपड़ी जलकर राख, हजारों का नुकसान

- ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो आसपास के कई घर इसकी चपेट में आ सकते थे, जिससे बड़ा नुकसान हो सकता था।

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक क्षेत्र अन्तर्गत मंगलवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दुर्गापुर नौबस्ता गांव में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पक्के मकान से सटा रखा छप्परनुमा छोड़ी पूरी तरह जलकर राख हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरतगंज के दुर्गापुर नौबस्ता गांव निवासी शरीफ अहमद पुत्र फकीर अली के घर के पास रखे छप्परनुमा में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। आग लगते ही आसपास के ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और लोग बाल्टी, पाइप और अन्य साधनों से आग बुझाने में जुट गए। प्रत्यक्ष-दर्शियों के मुताबिक आग की लपटें काफी तेज थीं, जिससे झोपड़ी में रखे दो एंड्रॉयड फोन व घरेलू सामान समेत हजारों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। हालांकि ग्रामीणों की तत्परता और सूझबूझ के चलते समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे आग अन्य मकान तक नहीं फैल सकी और एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से सहायता की मांग की है। वहीं आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

धीरेंद्र शास्त्री बोले-काशी विश्वनाथ के बगल से कलंक मिटेगा, प्रयागराज में हनुमंत कथा

ज्ञानवापी में एक दिन रुद्राभिषेक होगा : धीरेंद्र शास्त्री

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की प्रयागराज में हनुमंत कथा चल रही है। वह बमरौली एयरपोर्ट पर हेलिकॉप्टर से पहुंचे। यहां से करेलाबाग तक कार, फिर यमुना में स्टीमर से अरैल सेल्फी प्वाइंट पहुंचे। धीरेंद्र शास्त्री के पहुंचने पर भक्तों ने बागेश्वर बाबा के जयकारे लगाए। कथा से पहले धीरेंद्र शास्त्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी परिसर में एक दिन जरूर रुद्राभिषेक होगा। काशी विश्वनाथ जी के बगल में जो कलंक लगा है, वह मिटेगा। हमें मंदिरों में भीड़, सड़कों पर तूफान चाहिए। राम राज्य से भरा हिंदुस्तान चाहिए। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

हनुमंत कथा के यजमान प्रयागराज के रहने वाले बीजेपी नेता डॉ. उदय प्रताप सिंह हैं। वह हरिनारायण ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के डॉयरेक्टर हैं। इनके कुल पांच कॉलेज हैं। इसके अलावा राइस मिल है। इनके पिता की एक फैक्ट्री मीरपुर में थी। बाद में उदय प्रताप प्रॉपर्टी का कारोबार करने लगे।

डॉ. उदय प्रताप सिंह ने गृहमंत्री अमित शाह से भी कई बार मुलाकात की है। वह डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के करीबी भी हैं। इससे पहले भी उन्होंने कई कार्यक्रम कराए हैं। इसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनोट, क्रिकेटर सुरेश रैना, भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह, गायक हंसराज रघुवंशी समेत अन्य कई फिल्मी कलाकार शामिल हो चुके हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- लेंसकार्ट कंपनी ने अपने वर्कर पर पाबंदी लगाई है कि कोई तिलक नहीं लगा कर आ सकता। मंगलसूत्र पहनकर, सिंदूर लगाकर नहीं आ सकता। तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले। भारत में काहे मर रहा है। तेरो कक्का का भारत है क्या? हां, हमारे तो बाप का भारत है।

बरेली के एक मौलाना की ओर से विरोध के सवाल पर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- समय-समय का खेल है। दो कौड़ी के लोग करोड़ों में बिकने लगते हैं। उन्होंने राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि जैसे मंदिर बना, वैसे ही एक दिन ज्ञानवापी पर भी भगवा लहराएगा।

यमुना किनारे 13 हजार स्क्वायर फीट में बना पंडाल

यमुना तट स्थित कथा स्थल पर 13 हजार वर्गमीटर में भव्य पंडाल बनाया गया है। तीन दिन तक चलने वाली कथा में करीब 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। पंडाल में करीब 20-22 हजार श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था है। करीब छह एकड़ एरिया में कथा का आयोजन किया जा रहा। पंडाल में भक्तों के आने और जाने के लिए 8 एंट्री गेट बनाए गए हैं। 3000 पुलिसकर्मियों के साथ 500 सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। धीरेंद्र शास्त्री की कथा सुनने के लिए भारी भीड़ के बीच एक भक्त व्हीलचेयर पर पहुंचा हुआ है।

50 बेड का अस्पताल और 40 हजार लोगों का भंडारा रोज

कथा के दौरान भीड़ मैनेजमेंट पर विशेष फोकस रहेगा। भीषण गर्मी को देखते हुए 50 बेड का अस्थायी अस्पताल बनाया गया है। जहां डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती रहेगी। कथा के दौरान रोज 40 हजार लोगों के लिए भंडारा तैयार किया जा रहा है। जो कि अलग-अलग पंडाल में बांटा जाएगा।

10 लाख तक ब्याज सहायता युक्त ऋण

ग्रामीण युवाओं को उद्योग स्थापना हेतु आवेदन आमंत्रित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जनपद लखनऊ में बेरोजगार युवाओं एवं युवतियों को ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग स्थापित कर रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना के अंतर्गत अधिकतम 10 लाख रुपये तक का ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। जनपद के लिए 12 इकाइयों का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ए.के. गौतम ने बताया कि योजना के तहत सामान्य वर्ग के पुरुष लाभार्थियों को बैंक ऋण पर 4 प्रतिशत ब्याज स्वयं वहन करना होगा, जबकि शेष ब्याज विभाग द्वारा अनुदान के रूप में दिया जाएगा। वहीं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला, भूतपूर्व सैनिक एवं दिव्यांग श्रेणी के लाभार्थियों को टर्म लोन (पूंजीगत ऋण) पर संपूर्ण ब्याज की धनराशि विभाग द्वारा वहन की जाएगी।

उन्होंने बताया कि कुल परियोजना लागत में सामान्य वर्ग के पुरुष आवेदकों को 10 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग के लाभार्थियों को 5 प्रतिशत अंशदान स्वयं करना अनिवार्य है। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 18 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा 8 उत्तीर्ण होना आवश्यक है। साथ ही, आवेदक ने पूर्व में किसी भी वित्तीय संस्था या खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड से ऋण अनुदान प्राप्त न किया हो।

योजना के तहत इच्छुक लाभार्थी ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

फास्ट न्यूज

आईएएस मनीष बंसल ने संभाला कार्यभार

आगरा। आगरा के नवागत डीएम मनीष बंसल ने मंगलवार को चार्ज संभाल लिया। स्टाफ से मुलाकात के बाद उन्होंने जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की। इससे पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा- पीड़ित को निचले स्तर पर ही न्याय मिले। उन्हें न्याय के लिए भटकना न पड़े। जिस स्तर की समस्या है, उसी स्तर पर उसका समाधान होना चाहिए।

कानपुर 'जू' में समर डाइट प्लान

कानपुर । बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी का असर अब कानपुर चिड़ियाघर के जानवरों की डाइट पर भी दिखने लगा है। प्रशासन ने वन्य जीवों को लू और डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए उनकी 'समर डाइट' शुरू की है। इसके तहत रोजाना करीब 100 किलो ककड़ी, खीरा, खरबूजा और तरबूज जानवरों को खिलाया जा रहा है। चिड़ियाघर प्रशासन के मुताबिक सबसे ज्यादा तरबूज का इस्तेमाल किया जा रहा है, क्योंकि इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है। हिप्पो, हिरन और गैंडे इसे बड़े चाव से खा रहे हैं। जू के डॉक्टर नासिर ने बताया कि जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, वैसे-वैसे जानवरों की डाइट में जूस वाले फलों की मात्रा बढ़ाई गई है।

जीआरपी ने ट्रेनों में चोरी करने वाला गैंग पकड़ा

आगरा । आगरा जीआरपी ने ट्रेनों में चोरी करने वाले गैंग को पकड़ा है। इनके पास से चोरी किए गए आभूषण, लैपटॉप और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पकडे.गए आरोपियों में 4 पुरुष और एक महिला है। सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

आगरा कैंट जीआरपी थाना प्रभारी संदीप तोमर ने बताया कि चेकिंग के दौरान जीआरपी ने 5 संदिग्ध लोगों को पकड़ा।

जिले की कमान जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने संभाली

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। मंगलवार को नवागत जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने जनपद की कमान संभाली है। उन्होने जनपद में 65वें जिलाधिकरी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। नवागत जिलाधिकारी 2017 बैच के आई0ए0एस0 अधिकारी है। इससे पहले वे विशेष सचिव, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन के पद पर तैनात थे। जिले की कमान संभालने के पश्चात जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनपद में सुशासन एवं पारदर्शिता के साथ कार्य किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि वह जनपद में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, विकास कार्यों की गति तेज करने तथा शिकायतों के प्रभावी समाधान पर विशेष ध्यान देंगे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री अन्ना सुदन, अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह,अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजकुमार सिंह, एसडीएम नवाबगंज/जॉइंट मजिस्ट्रेट सुश्री गुंजिता अग्रवाल,वरिष्ठ कोषाधिकारी अमित सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनपद में सुशासन एवं पारदर्शिता के साथ किया जाएगा कार्य
-जिलाधिकारी

प्रगणकों-सुपरवाइजरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण हुआ शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए नगर पंचायत बलदेव के अंतर्गत ड्यूटी में लगे सुपरवाइजरों व प्रगणकों का ब्लॉक संसाधन केंद्र बलदेव पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। शिविर का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी कौशल कुमार व अधिशासी अधिकारी बलदेव नगर पंचायत बलदेव संजय कुमार ने किया। शिविर में मास्टर ट्रेनरों प्रमोद यादव व संजय द्वारा समझाया गया कि मकानों की गणना में कौन-कौन सी जानकारी अंकित करनी हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्य में 15 मिनट लग सकते हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना कार्य में लगाए गए कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश और तकनीकी जानकारी प्रदान करना है, ताकि कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ से आए मृगेन्द्र बहादुर सिंह, जिला प्रभारी मथुरा एवं सहायक जिला प्रभारी अभिषेक पाण्डेय द्वारा जनगणना की प्रक्रिया, डेटा संग्रहण, डिजिटल प्रणाली और फील्ड कार्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

इस अवसर पर नगर पंचायत बलदेव के सुनील पांडेय,गोकुलेश पांडेय,मनीष शर्मा व डॉ.जगदीश पाठक,सुजीत वर्मा,लक्ष्मण पांडेय,सुसेंद्र मित्तल,सौरभ सारस्वत,शैलेंद्र प्रताप सिंह,मोहित पाठक,महेश वर्मा,नवीन शर्मा,परमवीर,गीता रावत,श्रुति पांडेय,सुधा वर्मा,नीतू दुबे,आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

13 बकरी और 1 भैंस जिंदा जली जंगल की आग गांव तक पहुंची

1 घंटे देर से पहुंचीं फायर बिग्रेड की गाड़ियां

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। लखनऊ के दुबग्गा क्षेत्र स्थित मलहा गांव में मंगलवार को जंगल में लगी आग ने विकराल रूप ले लिया। तेज हवाओं के कारण आग गांव के मकानों तक फैल गई। जिससे कई घर इसकी चपेट में आ गए। एक युवक झुलस गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। 13 बकरियां और 1 भैंस जिंदा गई। जंगल में लगी आग अचानक इतनी भीषण हो गई कि उसकी लपटें तेजी से गांव के किनारे तक पहुंच गईं। आग की तेज गति के कारण ग्रामीणों को संभलने का ज्यादा समय नहीं मिला और पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया।

आग की लपटें घरों तक पहुंचने पर ग्रामीण अपना सामान सुरक्षित स्थानों पर ले जाने लगे। कई लोगों ने बाल्टियों और पाइप की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता के कारण उनके प्रयास सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना तत्काल दमकल विभाग को दी गई। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां करीब एक घंटे की देरी से मौके पर पहुंचीं, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया और नुकसान बढ़ गया। फिलहाल प्रशासन आग लगने के कारणों की जांच में जुटा है। वहीं, पुलिस का कहना है कि घटना में राम विलास की परचून की दुकान, मोहित पुत्र महादेव के हाथ, पैर एवं चेहरा झुलस गया। एक भैंस जल गई। रामचन्द्र की 13 बकरियां जल गई।

एमआईईटी में प्री-लॉन्चाथॉन का हुआ सफल आयोजन

नवाचार और उद्यमिता को मिला बढ़ावा

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी इन्क्यूबेशन फोरम एवं ई-सेल एमआईईटी के संयुक्त तत्वावधान में प्री-लॉन्चाथॉन का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, उद्यमिता और नवप्रारंभ (स्टार्टअप) संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दक्षिण कोरिया की संस्था यूडी इम्पैक्ट के वैश्विक व्यापार प्रभाग के निदेशक तेह्युंग ली उपस्थित रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में मुस्कान प्रिया (व्यवसाय विकास प्रबंधक, यूडी इम्पैक्ट), मुकेश रावत, शोएब हुसैन (संस्थापक, एसएच एसेंशियल्स एवं एमआईईटी के पूर्व छात्र), रेहान अहमद (मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एमआईईटी इन्क्यूबेशन फोरम), सुशील शर्मा एवं तनुश्री जैन मौजूद रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात मुख्य अतिथि तेह्युंग ली ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नवप्रारंभ विषय पर विशेष सत्र प्रदान किया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से नवप्रारंभों के विकास, वैश्विक अवसरों तथा तकनीकी नवाचार की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इस दौरान सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। साथ ही ई-सेल एमआईईटी एवं एमआईईटी इन्क्यूबेशन फोरम की गतिविधियों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को नवप्रारंभ सहयोग, मार्गदर्शन तथा वित्तीय सहायता के अवसरों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रस्तुतीकरण चरण रहा, जिसमें प्रतिभागी टीमों ने अपने अभिनव नवप्रारंभ विचार प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल द्वारा श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों का चयन किया गया, जिन्हें आगामी भारत शिक्षा प्रदर्शनी 2026 में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा। विजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने की घोषणा की गई।

'साहब ने सनक में जुड़वा बेटियों को मार डाला'

कानपुर । कानपुर में 11 साल की जुड़वां बेटियों की गर्दन रेतकर नृशंस हत्या करने वाला पिता जेल में हैं। मां रेशमा रोते हुए अपनी बेटियों को दफन किया। अब इस मामले में त्रिमूर्ति अपार्टमेंट के सिक्योरिटी गार्ड ने दावा किया कि आरोपी पिता शशिरंजन मिश्रा अपनी दोनों बेटियों से बहुत प्यार करता था। उसने सोंचा होगा कि अगर वह मर गया, तो बेटियों का क्या होगा। यही सनक उस पर सवार हो गई होगी। इसके बाद उसने दोनों बेटियों का मार डाला।

उन्होंने कहा- शादी के बाद से ही पति-पत्नी के बीच काफी विवाद होते थे। हालांकि, पिछले 2 साल से खुलकर झगड़े नहीं हो रहे थे। लेकिन दोनों के रिश्तों में दूरियां बनी हुई थीं। आरोपी शशिरंजन अपनी पत्नी से इतनी नफरत करता था कि दोनों के बीच बातचीत तक बंद थी इस मामले में पुलिस ने अपार्टमेंट के कर्मचारियों से भी पूछताछ की है। हालांकि, इस दोहरे हत्याकांड के पीछे की असल वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है।

साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल फॉरेंसिक पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी संस्थान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में साइबर सुरक्षा, साइबर अपराध जांच एवं डिजिटल फॉरेंसिक विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान के कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन अधिगम विभाग द्वारा इंटेलिया सोसायटी तथा संस्थान नवाचार परिषद के सहयोग से आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रामबीर सिंह (विभागाध्यक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता/मशीन अधिगम) के मार्गदर्शन एवं डॉ. संध्या (कार्यक्रम संयोजक) के संयोजन में किया गया। इसका उद्देश्य डिजिटल होते परिवेश में साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम को प्रोफेसर (डॉ.) संजय कुमार सिंह (निदेशक) का सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर डॉ. संजीव सिंह, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. रामबीर सिंह सहित अन्य संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अनुप गिरधर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं संस्थापक, सेडुलिटी सॉल्यूशंस एंड टेक्नोलॉजीज ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने साइबर अपराध जांच, डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन एवं आधुनिक डिजिटल फॉरेंसिक तकनीकों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। साथ ही उन्होंने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बदलती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए इसके लाभ एवं संभावित जोखिमों के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के दौरान वास्तविक जीवन के उदाहरणों एवं संवादात्मक चर्चा के माध्यम से विद्यार्थियों को साइबर खतरों एवं उनसे बचाव की रणनीतियों की गहन समझ प्रदान की गई। अंत में अतिथि वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन डॉ. संध्या द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह व्याख्यान अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी रहा, जिसने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल फॉरेंसिक के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।

पृष्ठ 01 का शेष...

विपक्ष का महिला ...

इसका अंदाजा भीषण गर्मी में इस भीड़ को देखकर लगाया जा सकता है। देश के अंदर केवल 4 जातियां हैं। पहली जाति महिला है। दूसरी गरीब की, तीसरी युवा और चौथी किसान की।

उन्होंने कहा- कांग्रेस, सपा और उनके सहयोगी दलों से जुड़ी महिलाएं भी इस रैली में आई हैं। आज की रैली यहीं समाप्त नहीं होती है। यह आंदोलन बूथ, मंडल, ब्लॉक और जिले स्तर तक जारी रखना है।

गर्मी को देखते हुए पदयात्रा में जगह-जगह प्याऊ, एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी। रैली में शामिल महिलाओं ने राहुल गांधी मुर्दाबाद, नारी के सम्मान में भाजपा मैदान में जैसे नारे लगाए। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने संबोधन में कहा-सपा और कांग्रेस की स्थिति मेंढक की तरह है। इन्हें चाहे चांदी के चबूतरे में बैठा लो या सोने के। ये उछलेंगे तो नाले में ही कूंदेंगे। महिलाओं को आरक्षण जाति देखकर नहीं दिया जा सकता।

पदयात्रा में सीएम योगी, दोनों डिप्टी सीएम के अलावा कैबिनेट की महिला मंत्री भी हैं। इसके अलावा, गठबंधन की पार्टियां भी शामिल हुई हैं। इनमें ओपी राजभर, आशीष पटेल भी हैं। राजनीति के जानकार इसे भाजपा के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देख रहे हैं।

भाजपा संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा- नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा में पारित न होने पर यह पदयात्रा निकाली गई। उन्होंने बताया कि महिलाओं को राजनीतिक रूप से मजबूत बनाने के लिए पीएम मोदी का महत्वपूर्ण कदम था। सभी दलों से सहयोग मांगने के बावजूद अधिनियम गिर गया।

महिलाएं छांव ढूंढ...

सीएम योगी रैली में पैदल चले। उनके साथ दोनों डिप्टी सीएम, मंत्री ओपी राजभर, मंत्री आशीष पटेल आदि भी पैदल चले।

'सरकार धार्मिक ...

और वे अपवित्र कैसे हो जाते हैं।' सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, 'क्या संविधान उस भक्त की मदद के लिए आगे नहीं आएगा, जिसे केवल उसके वंश और जन्म के कारण देवता को छूने से रोक दिया जाता है।'इस पर सबरीमाला के वकील एडवोकेट वी. गिरी ने कहा किसी भी मंदिर में होने वाले रीति-रिवाज उस धर्म का अभिन्न हिस्सा होते हैं। पूजा देवता की विशेषताओं के उलट नहीं हो सकती। भगवान अयप्पा 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' हैं, इसलिए वहां की परंपराएं उसी के अनुरूप तय की गई हैं।

सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संवैधानिक बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। इसके साथ धार्मिक आस्था के 66 मामले और जुड़े हैं। फैसला कल आने की संभावना है।

कांग्रेस का पीएम ...

उनके फैसलों के पीछे की मंशा पर भी टिप्पणी की।

कांग्रेस सांसद ने मांग की है कि इस मामले को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति को भेजा जाए और प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए।

इस तरह के बयान चुने हुए सांसदों की स्वतंत्रता और उनकी ईमानदारी पर सवाल खड़े करते हैं। इससे संसद की गरिमा और अधिकार कमजोर होते हैं।

संविधान सांसदों को स्वतंत्र रूप से काम करने का अधिकार देता है। कोई भी व्यक्ति यहां तक कि प्रधानमंत्री भी, उनके वोट या आचरण पर सवाल नहीं उठा सकता। किसी सांसद ने संसद में क्या कहा या कैसे वोट किया, उसके पीछे कारण बताना गलत है। ये सदन के विशेषाधिकार का गंभीर उल्लंघन और अवमानना है। यह विधेयक महिला आरक्षण के नाम पर लाया गया था, लेकिन इसके जरिए परिसीमन से जुड़े प्रावधानों में बदलाव की कोशिश थी। विपक्ष इसी का विरोध कर रहा था।

पीएम नरेंद्र मोदी ने 18 अप्रैल को देश को संबोधित किया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके जैसे विपक्षी दल इस भ्रूणहत्या के गुनहगार हैं। ये देश के संविधान के अपराधी हैं। नारी शक्ति के अपराधी हैं। जिन लोगों ने आधी आबादी का अधिकार छीना, उन्हें इस पाप की सजा मिलेगी।

दरअसल, लोकसभा में 17 अप्रैल को महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान (131वां संशोधन) बिल पास नहीं हो सका था। बिल में लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव था। बिल के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े, जबकि इसे पास करने के लिए 352 वोटों की जरूरत थी।

'सीजफायर नहीं ...

मैं वियतनाम बहुत जल्दी जीत लेता। हमने युद्ध पूरी तरह से जीत लिया है। काश आप वो बातचीत सुन पाते जो हमारी ईरानियों के साथ होती हैं। मैं एक अच्छी डील करना चाहता हूं। मैं ऐसे लोगों की जल्दबाजी में नहीं आना चाहता जो असल में देशद्रोही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी सेना ने तेहरान के अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम के भंडार को पूरी तरह तबाह कर दिया है। इस हद तक कि खून का प्यासा ईरान अब ना तो उन तक पहुंच पा रहा है और ना ही उन्हें खोदकर निकाल पा रहा है। उन्होंने जून 2025 में ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हुए हमले जिसे 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' के नाम से जाना जाता है की आलोचना करने के लिए फर्जी खबरें फैलाने वाले मीडिया पर भी जमकर निशाना साधा।

मोदी आतंकवादी...

पश्चिम मिदनापुर के दांतन में कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस समर्थित हमले में 100 से अधिक बीजेपी कार्यकर्ता घायल हो गए। घायलों में से 15 को ओडिशा के जलेश्वर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक कार्यकर्ता की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना सोमवार की है। मंगलवार को वीडियो सामने आए। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि यह हमला सुनियोजित था और सत्तारूढ़ दल के समर्थकों ने इसे अंजाम दिया। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज किया है। गोयल ने कहा- मुझे शर्म आ रही है कि कांग्रेस पार्टी और स्टालिन की DMK पार्टी इतने निचले लेवल पर आ गई हैं। वे इतने निचले लेवल पर आ गए हैं कि भारत के लोगों द्वारा चुने गए एक लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहा जा रहा है। मैं खड़गे के बयान की कड़ी निंदा करता हूं। मैं दोनों राहुल गांधी और एमके स्टालिन से भारत के लोगों के इस सीधे अपमान के लिए माफी मांगने की मांग करता हूं।

सालबोनी में एक रैली में अमित शाह ने कहा- मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि अगर आप BJP की सरकार बनाते हैं, तो 4 मई के बाद, न केवल बंगाल में बल्कि पूरे देश में, हम हर घुसपैठिए को वापस भेजने का काम करेंगे।ममता (बनर्जी) के ये गुंडे बंगाल के लोगों का जीना मुश्किल कर रहे हैं...4 मई के बाद, हम हर गुंडे को ढूंढकर सलाखों के पीछे डाल देंगे।

सीबीडीटी ने तमिलनाडु...

लेकिन आईटी विभाग ने साफ किया कि 20 अप्रैल को या हाल के समय में उनके खिलाफ कोई सर्च, सर्वे या कोई भी कार्रवाई नहीं हुई और न ही कोई रोक लगाई गई। विभाग ने यह भी बताया कि श्रीपेरंबदूर क्षेत्र में कुछ सामान्य जांच जरूर की गई थीं, जो संदिग्ध कैश लेन-देन की जानकारी के आधार पर थीं, लेकिन उनका के. सेल्वा पेरुंथगई से कोई संबंध नहीं था।

ममता की चुनावी ...

इसने बंगाल के 93 हजार पोलिंग बूथों के लिए एक लाख शैडो एजेंट्स तैयार किए थे। तृणमूल भले ही इसके बंद होने की खबरों को खारिज कर रही है, लेकिन मतदान से ठीक पहले संगठन और कार्यकर्ता असमंजस में आ गए हैं। हालांकि भास्कर के सवाल पर पार्टी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा- हम संसद में दूसरी बड़ी विपक्षी पार्टी हैं। 5 एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं। सभी ठीक हैं। पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि टीएमसी संगठन 4 स्तर पर काम कर रहा है।

आईपीएल के तुरंत बाद अफगानिस्तान से भिड़ेगी टीम इंडिया, टेस्ट में नए खिलाड़ियों को मिल सकता है मौका

गिल-बुमराह को मिल सकता है आराम

सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान के खिलाफ इकलौते टेस्ट में शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। 31 मई को IPL 2026 का फाइनल है और भारतीय टीम का इंटरनेशनल कैलेंडर व्यस्त है। वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते कुछ खिलाड़ियों को आराम मिल सकता है। वहीं, हर्ष दुबे, आकिब नबी और देवदत्त पडिक्कल को मौका मिल सकता है। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने गेंदबाजी में सुधार किया है, जिससे उनके नाम पर चर्चा है। चयन समिति जल्दबाजी के बजाय मेडिकल टीम की सलाह पर फैसला करेगी। अफगानिस्तान ने

टेस्ट करियर की शुरुआत टीम इंडिया के खिलाफ की थी। 2018 में बेंगलुरु में भारत ने पारी और 262 रन से मैच जीता था। तब से अफगानिस्तान ने 13 टेस्ट खेले, 4 जीते, 7 हारे और 2 ड्रॉ रहे। अफगानिस्तान और भारत के बीच 4 वनडे हुए, सभी मल्टिनेशन टूर्नामेंट में। एशिया कप में 2 मैच हुए, 1 भारत जीता और 2018 में एक टाई रहा। 2019 और 2023 वर्ल्ड कप में भी 2 मैच हुए, दोनों भारत जीता। दोनों के बीच पहली बार वनडे सीरीज होगी। टी-20 इंटरनेशनल में दोनों के बीच 9 मैच हुए। 8 में भारत जीता, जबकि एशियन गेम्स में एक मुकाबला बेनतीजा रहा। इस फॉर्मेट की इकलौती सीरीज 2024 में हुई थी, जिसमें भारत 3-0 से जीता था।

अफगानिस्तान ने टेस्ट करियर भारत के खिलाफ ही शुरू किया

आईपीएल फाइनल और टेस्ट मैच के बीच सिर्फ 6 दिन का अंतर

IPL 2026 का फाइनल 31 मई को है, जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट 6 जून से शुरू होगा। दोनों के बीच सिर्फ 5-6 दिन हैं। मैनेजमेंट खिलाड़ियों की थकान और इंजरी रिस्क को लेकर गंभीर है। चयनकर्ता देखेंगे कि रेगुलर टेस्ट खिलाड़ियों की IPL टीम किस स्टेज तक पहुंचती है।

6 जून से मुल्लनपुर में शुरू होने वाले टेस्ट के लिए चयनकर्ता घरेलू सर्किट पर नजर रख रहे हैं। सीनियर खिलाड़ियों को आराम मिला तो युवा खिलाड़ियों को डेब्यू मिल सकता है। इंडिया-ए के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार रेस में आगे हैं।

भारतीय टीम का जून महीना पैक है। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे के बाद टीम आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड दौरा होगा, जहां 3 टी-20 और 3 वनडे होंगे। इसके बाद 23 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 टी-20 मैच शुरू होंगे।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल का दबाव नहीं, सीनियर बाहर हो सकते हैं

अफगानिस्तान के खिलाफ इस इकलौते टेस्ट में WTC के कोई पॉइंट्स दांव पर नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक, सिलेक्टर्स और मैनेजमेंट स्टार खिलाड़ियों को वनडे या इंग्लैंड सीरीज के लिए फ्रेश रखना चाहते हैं। मैनेजमेंट मानता है कि बुमराह जैसे अहम गेंदबाज को ऐसे मैच में उतारना जोखिम होगा।

बीसीसीआई के शेड्यूल से खुश नहीं कोच गंभीर और गिल

नई दिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान टेस्ट में रिजर्व प्लेयर्स को मौका दे सकते हैं सेलेक्टर्स

भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल आईपीएल 2026 के खत्म होने के तुरंत बाद अफगानिस्तान टेस्ट के शेड्यूल रखने के फैसले से बीसीसीआई से खफा बताए जा रहे हैं। आईपीएल का फाइनल 31 मई को होगा, जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट 6 जून से शुरू होना है। अभी तक यह भी तय नहीं है कि कौन-कौन सी टीमें आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचेंगी। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, गंभीर और गिल पहले भी इतने व्यस्त शेड्यूल का विरोध कर चुके हैं और अब फिर उसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। वहीं चयनकर्ता प्लान-बी पर काम कर रहे हैं। गुरनूर बरार, मानव सुथार, आकिब नबी, देवदत्त पडिक्कल और कुछ अन्य खिलाड़ी इस एकमात्र टेस्ट के लिए सेलेक्टर्स की नजर में हैं, क्योंकि उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है।

जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है, क्योंकि वे आईपीएल खेल रहे हैं और आगे भी लगातार बिजी शेड्यूल है। एक सूत्र ने कहा, "आईपीएल फाइनल और अफगानिस्तान टेस्ट के बीच ज्यादा अंतर नहीं है। इसलिए चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट खिलाड़ियों पर ज्यादा बोझ नहीं डालना चाहेंगे, क्योंकि इसके बाद तीन वनडे और फिर इंग्लैंड दौरे पर व्हाइट-बॉल सीरीज है।

'ये बिल्कुल बर्दाश्त नहीं'

मुंबई से मिली हार को गुजरात के कोच ने बताया 'भयावह'

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच अहमदाबाद में खेले गए मैच में गुजरात को 99 रन से करारी हार झेलनी पड़ी। इस हार के बाद गुजरात के बैटिंग कोच मैथ्यू हेडन ने टीम के प्रदर्शन पर नाराजगी जताई और कहा कि यह गुजरात के लिए बहुत खराब दिन था। जिस तरह से हमारे बैटर्स ने प्रदर्शन किया, वो बिल्कुल अस्वीकार्य है।

मैच की बात करें तो एमआई की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी, लेकिन उसने आखिरी चार ओवर में 73 रन बनाकर पांच विकेट पर 199 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में गुजरात की टीम 100 रन पर ढेर हो गई, जिसमें सुंदर के 26 रन सर्वोच्च स्कोर रहा।

मैच में मिली हार के बाद मैथ्यू हेडन ने कहा कि टीम के टॉप ऑर्डर बल्लेबाजों का जल्दी आउट होना हार की सबसे बड़ी वजह बना। 200 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम कभी मुकाबले में नजर नहीं आई।

उन्होंने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में कहा, आज हमारे लिए बहुत खराब दिन था। सच कहूं तो आज कुछ भी अच्छा नहीं हुआ, सिर्फ कगिसो रबाडा की गेंदबाजी को छोड़कर। इसलिए हमें निश्चित रूप से काफी मेहनत करनी होगी।

इस हार से पहले गुजरात ने पिछली तीन में से दो रन चेज जीते थे, इसलिए टीम से उम्मीदें ज्यादा थीं। लेकिन शुरुआती विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। वहीं, ये मुंबई की सीजन की दूसरी जीत रही, जिसमें टीम के लिए हीरो तिलक वर्मा रहे, जिन्होंने सिर्फ 45 गेंदों में नाबाद 101 रन की शानदार पारी खेली। उनकी पारी की मदद से मुंबई ने 20 ओवर में 199 रन बनाए।

इसके बाद बुमराह ने पहली ही गेंद पर विकेट लेकर गुजरात को दबाव में डाल दिया। फिर अश्वनी ने 4 विकेट लेकर गुजरात की कमर तोड़ दी। गुजरात की टीम 15.5 ओवर में सिर्फ 100 रन पर ऑलआउट हो गई और मुंबई ने सीजन की दूसरी जीत दर्ज की और अंक तालिका में 7वां पायदान हासिल किया।

गुजरात को 99 रन से हराया, तिलक वर्मा का शतक, अश्विनी कुमार को 4 विकेट

आईपीएल में लगातार 4 मैच हारने के बाद जीती मुंबई

200 रन का टारगेट चेज कर रही गुजरात की शुरुआत खराब रही। टीम पहली बॉल पर विकेट गंवाया। जब बुमराह ने साई सुदर्शन को डेब्यू मैच खेल रहे क्रिष भगत के हाथों कैच कराया। टीम ने पावरप्ले में 45 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए थे। इनमें जोस बटलर (5 रन) और कप्तान शुभमन गिल (14 रन) के विकेट शामिल थे।

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई इंडियंस ने IPL सीजन में लगातार 4 मैच हारने के बाद जीत हासिल कर ली है। टीम ने सोमवार को गुजरात टाइटंस को 99 रन से हराया। यह इस सीजन किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सोमवार को गुजरात ने टॉस जीता और गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 199 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम 15.5 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हो गई।

16वें ओवर में गुजरात ने 9वां विकेट गंवाया। यहां पर अल्लाह गजनफर ने कगिसो रबाडा (12 रन) को विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक के हाथों स्टंपिंग कराया। गजनफर ने 5वीं बॉल पर मोहम्मद सिराज को LBW कर दिया। इसी के साथ गुजरात 100 रन पर ऑलआउट हो गई और मुंबई ने 99 रन की जीत दर्ज की। 14वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने महज 4 रन दिए। उनके ओवर में कोई बाउंड्री नहीं आई। वे 3 ओवर में 15 रन देकर एक विकेट हासिल कर चुके हैं। 13वें ओवर में अश्विनी कुमार ने दो विकेट झटके। उन्होंने दूसरी बॉल पर राशिद खान को सब्सिट्यूट खिलाड़ी राज अंगद के हाथों कैच आउट कराया। फिर आखिरी बॉल पर शाहरुख खान को नमन धीर के हाथों कैच कराया। राशिद 4 और शाहरुख 17 रन बनाकर आउट हुए। अश्विनी ने 4 विकेट हासिल कर लिए हैं। उन्होंने इम्पैक्ट प्लेयर राहुल तेवतिया (8 रन) और शुभमन गिल (14 रन) के विकेट भी झटके। 11वें ओवर में गुजरात ने छठा विकेट गंवाया। यहां पर इम्पैक्ट प्लेयर राहुल तेवतिया 8 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अश्विनी कुमार ने विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक के हाथों कैच कराया।

तिलक वर्मा के शतक ने मुंबई को 199 तक पहुंचाया

पहले बैटिंग कर रही मुंबई ने पावरप्ले में 48 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए थे। ओपनर क्विंटन डी कॉक 13, डेब्यू मैच खेल रहे दानिश मालेवर 2 और नमन धीर 45 रन बनाकर आउट हुए।

नंबर-5 पर उतरे तिलक वर्मा ने 45 बॉल पर 101 रन बनाकर मुंबई को 199 रन तक पहुंचाया। इस पारी में 8 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। नमन धीर ने 45 रन बनाए। GT से कगिसो रबाडा ने 3 विकेट लिए।

अश्विनी कुमार ने 4 विकेट झटके

पावरप्ले के आखिरी ओवर में गिल को आउट करने वाले अश्विनी कुमार ने 4 विकेट झटके। उन्होंने राहुल तेवतिया (8 रन), शाहरुख खान (17 रन) और राशिद खान (4 रन) को पवेलियन भेजकर गुजरात की वापसी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। आखिरकार गुजरात की पूरी टीम 15.5 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हो गई। MI इस जीत से इस सीजन की पॉइंट्स टेबल के 7वें नंबर पर आ गई है। टीम के पास 4 अंक हैं। वहीं, गुजरात हार के बावजूद छठे नंबर पर है।

मनोरंजन

फिल्म के बजट का आधे से ज्यादा हिस्सा कवर, पेन मरुधर ने डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स खरीदे

शाहरुख की किंग ने रिलीज से पहले 250 करोड़ कमाए

नई दिल्ली। शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग ने रिलीज से पहले ही 250 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। फिल्म का बजट 400 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। यानी फिल्म का आधे से ज्यादा बजट कवर हो गया।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पेन मरुधर ने फिल्म किंग के ऑल इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स 250 करोड़ रुपए में खरीद लिए। यह इस साल की बड़ी थिएट्रिकल डील्स में से एक मानी जा रही है।

बता दें कि पेन मरुधर का शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस के साथ पुराना संबंध रहा है।

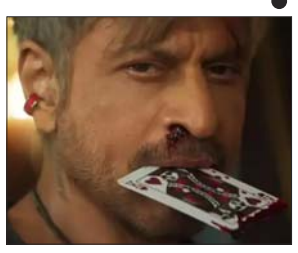

किंग का डायरेक्शन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स मिलकर कर रहे हैं।

कंपनी पहले जवान, डंकी, जीरो, बदला और इत्तेफाक जैसी फिल्मों को रिलीज कर चुकी है।

किंग क्रिसमस 2026 के दौरान रिलीज होगी, जब जुमांजी, एवेंजर्सः डूम्सडे और ड्यून 3 जैसी हॉलीवुड फिल्में भी रिलीज होंगी। इस कॉम्पिटिशन को देखते हुए, फिल्म के लिए बड़े थिएटर रिलीज की प्लानिंग की जा रही है। फिल्म में शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी भी नजर आएंगे। किंग की कहानी एक मेंटर और शिष्य के सफर पर आधारित है, जो कठिन परिस्थितियों में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करते हैं।

ए.ए. फिल्म्स, जियो स्टूडियोज, पीवीआर आईनॉक्स पिक्चर्स, यशराज फिल्म्स और धर्मा प्रोडक्शंस जैसी कंपनियों ने भी फिल्म के डोमेस्टिक राइट्स के लिए बोली लगाई थी।

अल्जाइमर से लंबे समय से पीड़ित थे, एक्ट्रेस ने इमोशनल पोस्ट लिखा

सैयारा फेम अनीत पड्डा के दादा का निधन

सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा के दादा का निधन हो गया। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर निधन की जानकारी देते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया।

अनीत ने पोस्ट में लिखा, 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा प्यार। आप धीरे-धीरे दूर जा रहे थे, लेकिन आपने 'मक्खन' को नहीं भुलाया। जब यादें साथ नहीं दे रही थीं, तब भी आपने प्यार को थामे रखा। अब मैं दोनों को संभालकर रखूंगी, आपकी यादें और आपका प्यार। हमारे साथ बिताए हर पल को मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। मैं एक अच्छी इंसान बनूंगी।'

एक्ट्रेस ने आगे लिखा, आपके मजाक याद रखूंगी और हर मौके पर उन्हें दोहराऊंगी। आपकी अच्छाई और आपकी रोशनी को हर अंधेरे में फैलाऊंगी।

वर्क फ्रंट की बात करें तो अनीत जल्द ही डायरेक्टर मोहित सूरी की फिल्म में एक बार फिर एक्टर अहान पांडे के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह मैडॉक की फिल्म शक्ति शालिनी में भी काम कर रही हैं।

'मातृभूमि' के लिए ली 45 दिन की सबसे मुश्किल ट्रेनिंग

जख्मी होने के बावजूद नहीं रुके सलमान ख़ान

नई दिल्ली, एजेंसी

सलमान खान के फैंस उनकी फिल्मों का हमेशा बड़ी ही बेसब्री से इंतजार करते हैं। 'दबंग' खान जल्द ही अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बन रही फिल्म 'मातृभूमि- मे वॉर रेस्ट इन पीस' (Matrubhoomi - May War Rest In Peace) में नजर आएंगे। इस दमदार वॉर-ड्रामा फिल्म के लिए सलमान खान इन दिनों लद्दाख की ऊंची पहाड़ियों में सबसे कठिन ट्रेनिंग ले रहे हैं।

रिपोर्ट्स की मानें तो इस खतरनाक ट्रेनिंग के दौरान भाईजान को काफी चोटें भी आई हैं, लेकिन इन जख्मों की परवाह किए बिना अभिनेता बिना रुके लगातार अपनी बॉडी और फिटनेस पर वर्क कर रहे हैं। प्रोडक्शन से जुड़े करीबी सूत्रों की

मानें तो सलमान खान इस फिल्म के लिए बेहद कठिन फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजर रहे हैं। अभिनेता ने मूवी के लिए लद्दाख की ऊंची पहाड़ियों पर ट्रेनिंग ली, जहां उन्होंने भारी वेट सेशंस के साथ-साथ मुश्किल एंड्योरेंस ड्रिल्स भी कीं। हम सब जानते हैं कि सलमान खान को फिट रहना काफी पसंद है, लेकिन इस मूवी के लिए अभिनेता ने अपने करियर का सबसे कठिन फिटनेस रूटीन अपनाया

'मातृभूमि' के लद्दाख में चले 45 दिनों के मुश्किल शेड्यूल के दौरान, सलमान खान ने अपना फिजिक बनाए रखने के लिए कैलिस्थेनिक्स पर आधारित वर्कआउट रूटीन अपनाया, क्योंकि पहाड़ियों पर उनके लिए जिम का सेटअप बनाना लगभग नामुमकिन था। इस आउटडोर ट्रेनिंग के दौरान सलमान खान को कई चोटें भी लगीं, लेकिन वह 'मातृभूमि' में अपने किरदार के लिए किए गए कमिटमेंट से बिल्कुल भी पीछे नहीं हटे।

लाहौर 1947 से टक्कर लेगी इमरान हाशमी की आवारापन 2

नई रिलीज डेट की हुई घोषणा

नई दिल्ली। अगर किसी हिंदी फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो वह अभिनेता इमरान हाशमी स्टारर आवारापन 2 है। लंबे समय से इमरान की आवारापन 2 की चर्चा चल रही है। बीते साल फिल्म का आधिकारिक एलान हुआ था और ये मूवी इस महीने अप्रैल में रिलीज होने वाली थी। लेकिन किसी कारण आवारापन 2 की रिलीज डेट में बदलाव किया गया और अब मेकर्स की तरफ से इसकी नई रिलीज डेट का आधिकारिक एलान किया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इमरान की आवारापन 2 सिनेमाघरों में कब दस्तक देगी। आवारापन 2 की रिलीज डेट की घोषणा के बाद फैंस की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा और वे इसकी रिलीज के लिए बेसब्री से से इंतजार करने लगे हैं। बता दें कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में एंट्री लेने के लिए आवारापन 2 का बॉक्स ऑफिस क्लैश अभिनेता सनी देओल की बहुचर्चित फिल्म लाहौर 1947 से होगा, जो उस दिन थिएटर्स में रिलीज होगी।

इमरान हाशमी स्टारर आवारापन को पहली बार साल 2007 में रिलीज किया गया था। फिल्म का डायरेक्शन मोहित सूरी ने किया था। कमर्शियल तौर पर आवारापन फ्लॉप रही थी, लेकिन टीवी पर आने के बाद इसको काफी सफलता मिली और आज भी इमरान की इस मूवी को कल्ट माना जाता है। अब देखना ये होगा कि 19 साल के लंबे इंतजार के बाद क्या आवारापन 2 सफलता हासिल कर पाती है या नहीं।

आवारापन 2 कब होगी रिलीज

विशेष फिल्म प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले आवारापन 2 का निर्माण किया जा रहा है। फिल्म के डायरेक्शन की कमान निर्देशक नितिन कक्कड़ कर रहे है, जबकि कास्ट में इमरान हाशमी और दिशा पाटनी जैसे कलाकार लीड रोल में नजर आएंगे। अब विशेष फिल्म्स ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर आवारापन 2 के कुछ लेटेस्ट पोस्टर्स और रिलीज डेट की जानकारी साझा की है, जिसके आधार पर 14 अगस्त 2026 को ये मूवी बड़े पर्दे पर दस्तक देगी।

हथियार भेजना नियमों के खिलाफ, इससे ग्लोबल सिस्टम कमजोर हो रहा
भारत ने इजराइल की मदद कर कानून तोड़ा : यूएन दूत

आरोप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में भारत पर अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के साथ उसके संबंध और युद्ध के समर्थन को लेकर भारत की कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी बनती है।

'टॉर्चर एंड जेनोसाइड' नाम की इस रिपोर्ट को UN स्पेशल दूत फ्रांसेस्का अल्बनीज ने 23 मार्च को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पेश किया। द हिंदू से बात करते हुए उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि इजराइल के साथ करीबी संबंधों के चलते भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है और उसे इसकी जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने इजराइल के कब्जे को गलत बताया है और देशों से हथियारों का लेन-देन रोकने को कहा है। इसके बावजूद भारत का हथियार भेजना नियमों के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने कहा है कि कानून के साथ-साथ भारत की नैतिक जिम्मेदारी भी बनती है। उनका मानना है कि भारत का इतिहास और न्याय की सोच ऐसे फैसलों के खिलाफ खड़ी होती है, लेकिन अभी सरकार का रुख उससे अलग नजर आ रहा है।

गाजा और फिलिस्तीनी कैदियों पर रिपोर्ट पेश करने वाली UN दूत फ्रांसेस्का अल्बनीज। (फाइल फोटो)

अल्बनीज के मुताबिक, कई देश जैसे कोलंबिया, साउथ अफ्रीका, स्पेन, स्लोवेनिया और मलेशिया इस स्थिति को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली समूहों के कारण कार्रवाई मुश्किल हो रही है।

जेल से बाहर भी टॉर्चर सिस्टम

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टॉर्चर केवल जेलों तक सीमित नहीं है। निगरानी, फेस रिकग्निशन, ड्रोन और चेकपॉइंट्स के जरिए फिलिस्तीनियों के जीवन पर लगातार नियंत्रण रखा जा रहा है। इससे उनकी रोजमर्रा की जिंदगी भी एक तरह के मानसिक और सामाजिक दबाव में रहती है। अल्बनीज ने बताया कि गाजा में हालात बेहद खराब हैं। करीब 1,90,000 लोग 50 वर्ग किमी से कम इलाके में रह रहे हैं। वहां दवाइयों, साफ-सफाई और सुरक्षा की भारी कमी है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति "कंसंट्रेशन कैंप" से भी बदतर हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जेलों के अंदर और बाहर दोनों जगह एक जैसी नीतियां लागू हैं, जैसे भूख से दबाव बनाना और बुनियादी जरूरतों से वंचित रखना। उनके मुताबिक, यह सब लोगों की उम्मीद खत्म करने की कोशिश है।

गाजा में यातना शिविर जैसे हालात

टॉर्चर एंड जेनोसाइड रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अक्टूबर 2023 से इजराइल ने गाजा और डिटेंशन सेंटर्स में फिलिस्तीनियों के खिलाफ व्यवस्थित यातना का इस्तेमाल किया। रिपोर्ट में गाजा को बहुत बड़ा यातना शिविर बताया गया है।

इसी रिपोर्ट के आधार पर अल्बनीज ने भारत की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इजराइल के साथ करीबी संबंधों के चलते भारत अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है और उसे इसकी जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है। इसी संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फरवरी में इजराइल यात्रा और 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का जिक्र किया। उनके अनुसार, यह संबंध अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करने की दिशा में जाता है।

> **रिपोर्ट में वकीलों, डॉक्टरों, पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को निशाना बनाए जाने का भी जिक्र है। अल्बनीज ने कहा कि जब टॉर्चर पूरे सिस्टम में फैला हो और उसे संस्थागत समर्थन मिले, तो यह व्यक्तिगत घटना नहीं बल्कि राज्य नीति बन जाती है।**

ईरान-जंग की वजह से भारत में उर्वरक उत्पादन 25% घटा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग से भारत का उर्वरक उत्पादन यानी फर्टिलाइजर प्रोडक्शन मार्च में करीब एक चौथाई घट गया। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, मार्च 2026 में उर्वरक उत्पादन मार्च 2025 के मुकाबले 24.6% घटा है।

दरअसल, उर्वरक बनाने में इस्तेमाल होने वाली नैचुरल गैस की सप्लाई मिडिल ईस्ट के युद्ध के कारण प्रभावित हुई है। नैचुरल गैस का इस्तेमाल यूरिया बनाने में होता है, जो भारत की खेती के लिए बेहद जरूरी खाद है।

इसके लिए भारत पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों और सप्लाई पर निर्भर रहता है। जंग की वजह से होर्मुज रूट में आवाजाही लगभग बंद है। इसी रास्ते से ऊर्जा और उर्वरक से जुड़े कच्चे माल की सप्लाई होती है। भारत 60% LNG और 40% यूरिया के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर रिपोर्ट के अनुसार, होर्मुज बंद होने की वजह से खाड़ी देशों से आने वाली लिक्विफाइड नेचुरल गैस की खेप भारत नहीं पहुंच पा रही है। भारत अपनी जरूरत की करीब 60% LNG और 40% यूरिया के लिए इन्हीं देशों पर निर्भर है।

वहीं दुनिया के करीब एक-तिहाई उर्वरक भी इसी समुद्री रास्ते से गुजरते हैं। इस रुकावट के बाद विशेषज्ञों और कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा खाद्य उत्पादन पर असर को लेकर कई चेतावनियां दी जा चुकी हैं।

भारत में खेती छोटे-छोटे खेतों में होती है और अक्सर बहुत ज्यादा उत्पादन नहीं होता है, लेकिन देश की 45% से ज्यादा आबादी खेती पर निर्भर है।

फास्ट न्यूज

ट्रंप के बाद अब पीएम और सेना प्रमुख को भी सम्मानित करने की मांग

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा में मंगलवार को एक प्रस्ताव पेश किया गया। इस प्रस्ताव में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को नोबेल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश की गई है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की विधायक फराह खान ने यह प्रस्ताव विधानसभा सचिवालय में पेश किया।

पिरामिड देखने गए पर्यटकों पर गोलीबारी

नई दिल्ली। मेक्सिको की राजधानी के उत्तर में स्थित एक पुरातात्विक स्थल है। यहां ऐतिहासिक Teotihuacan पिरामिड देखने पहुंचे पर्यटकों पर एक बंदूकधारी हमलावर ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना में एक कनाडाई नागरिक की मौत हो गई और करीब 13 लोग घायल हो गए।

स्थानीय प्रशासन का दावा है कि इसमें से केवल 7 लोग गोली लगने से घायल हुए हैं, जिसमें 6 अमेरिकी, 3 कोलंबियाई, एक रूसी, दो ब्राजीलियाई और एक कनाडाई नागरिक है। अन्य लोग कैसे घायल हुए, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

भारतीय के हत्यारे को आजीवन कारावास

टोरंटो । एक अदालत ने भारतीय छात्र कार्तिक वासुदेव की हत्या के मामले में दोषी व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी की मानसिक बीमारी के आधार पर आपराधिक जिम्मेदारी से मुक्त किए जाने की मांग खारिज कर दी।

टोरंटो की उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति जेन केली ने आरोपी रिचर्ड एडविन को दो अलग-अलग हत्याओं में प्रथम श्रेणी हत्या का दोषी करार दिया।

इजरायल-ईरान युद्ध : फारस की खाड़ी में अभी भी फंसे हैं सैकड़ों जहाज
मदद के लिए यूएन की एजेंसी बना रही प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजरायल और ईरान संघर्ष के बीच फारस की खाड़ी में फंसे जहाजों को निकालने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने कदम बढाया है। फारस की खाड़ी में सात हफ्ते से अधिक समय से फंसे सैकड़ों अंतर्राष्ट्रीय जहाजों को निकालने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) ने एक योजना तैयार कर ली है।

IMO के महासचिव आर्सेनियो डोमिंगुएज ने मंगलवार को सिंगापुर समुद्री सप्ताह के दौरान यह जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना केवल तभी लागू की जा सकेगी, जब क्षेत्र में तनाव कम होने के साफ संकेत मिलेंगे।

उन्होंने जोर देकर कहा कि जहाजों को सुरक्षित निकासी से पहले संयुक्त राष्ट्र की इस समुद्री एजेंसी को यह पुष्टि करनी होगी कि हार्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं या नहीं? डोमिंगुएज ने कहा, 'हमारी प्राथमिकता सभी जहाजों और उनके चालक दल की सुरक्षा है। बिना सुरक्षा गारंटी के हम कोई जोखिम नहीं उठा सकते।'

इस बीच, ईरान की सेना ने दावा किया है कि अमेरिकी नौसेना की बार-बार दी गई धमकियों के बावजूद एक ईरानी तेल टैंकर 'सिली सिटी' सफलतापूर्वक अरब सागर से होते हुए ईरानी जलक्षेत्र में प्रवेश कर गया है। मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरानी नौसेना के सहयोग से यह टैंकर देश के दक्षिणी बंदरगाहों में से एक पर कई घंटों से लंगर डाले खड़ा है।

सोना 59 बढ़कर 1.52 लाख पर पहुंचा
चांदी 612 सस्ती, 2.50 लाख पर आई, इस साल सोना 19 हजार महंगा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना के दाम में आज यानी 21 अप्रैल को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 59 रुपए बढ़कर 152,155 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 20 अप्रैल को इसकी कीमत 1,52,096 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं। पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य: ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए और चांदी 20 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.50 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

विदेशी जेवर मंगाने के लिए लाइसेंस लेना होगा

सरकार ने सोने-चांदी और प्लेटिनम के गहनों को 'फ्री' कैटेगरी से हटाकर 'रिस्ट्रिक्टेड' कैटेगरी में डाल दिया है। इसका सीधा असर बाजार की सप्लाई पर दिख रहा है, जिससे सोना-चांदी की कीमतें बढ़ रही हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) की ओर से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, अब इन कीमती धातुओं से बनी ज्वेलरी किसी भी देश से मंगाने के लिए सरकार से विशेष लाइसेंस या परमिशन लेना होगा। सरकार ने यह कदम फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए उठाया है।

> **वहीं चांदी के दाम में आज गिरावट देखने को मिल रही है। एक किलो चांदी 612 रुपए गिरकर 2,50,063 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार को इसकी कीमत 2,50,675 रुपए प्रति किलो थी।**

पाकिस्तान में ईरान से वार्ता पर अनिश्चितता के बीच ट्रंप का दावा
'मैं युद्ध में बहुत आगे हूं'

नई दिल्ली, एजेंसी

आने वाले दिनों में ईरान के साथ सीधी बातचीत के एक नए दौर के लिए एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के पाकिस्तान जाने की उम्मीद है। हालांकि तेहरान ने अभी इस बात की पुष्टि नहीं की है कि वह बातचीत में शामिल होगा या नहीं। ये बातचीत इस्लामाबाद में आमने-सामने की चर्चा का दूसरा प्रयास होगा।

इसके बाद ही ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, ₹मैं एक जंग जीत रहा हूं और वह भी बहुत बड़े अंतर से। हालात बहुत अच्छे हैं, हमारी सेना ने कमाल का काम किया है। दुश्मन असमंजस में है, क्योंकि उन्हें भी मीडिया की वही रिपोर्टें मिलती हैं और फिर भी उन्हें इस बात का एहसास है कि उनकी नौसेना पूरी तरह से खत्म हो चुकी है, उनकी वायुसेना के विमान अब अंधेरे रनवे पर खड़े हैं, उनके पास मिसाइल-रोधी या विमान-रोधी कोई भी उपकरण नहीं बचा है। उनके ज्यादातर पुराने नेता अब नहीं रहे (बाकी सब चीजों के अलावा, यह एक 'सत्ता परिवर्तन' भी है!) और शायद सबसे अहम बात यह है कि 'नाकेबंदी' जिसे हम तब तक नहीं हटाएंगे जब तक कोई 'समझौता' नहीं हो जाता ईरान को पूरी तरह से तबाह कर रही है। ट्रंप ने इससे पहले कहा था कि उन्हें नहीं पता कि ईरान तय बातचीत में शामिल होगा या नहीं। उन्होंने कहा, उन्हें वहां होना चाहिए। हमने वहां मौजूद रहने पर सहमति जताई है।₹ ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने सोमवार को कहा कि तेहरान की बातचीत के अगले दौर के लिए कोई योजना नहीं है और इस संबंध में कोई फैसला नहीं लिया गया है।

पहली बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हो गई थी और सीजफायर की घोषणा की। बाद में दोनों पक्ष दो हफ्ते के अस्थायी संघर्ष-विराम के उल्लंघन का आरोप एक-दूसरे पर लगाने लगे। यह संघर्ष-विराम अमेरिका के समय के मुताबिक बुधवार शाम खत्म होने वाला है।

'बहुत बड़े अंतर से जंग जीत रहा हूं'

राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ब्लूमबर्ग न्यूज को बताया कि इस संघर्ष-विराम को आगे बढ़ाने की संभावना ₹बहुत कम₹ है। पीबीएस न्यूज के साथ एक अलग इंटरव्यू में उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तय समय-सीमा तक कोई समझौता नहीं हो पाता है तो फिर जगह-जगह बम फटने लगेंगे।

टिम कुक ने सीईओ पद से इस्तीफा दिया, जॉन टर्नस एपल के नए सीईओ होंगे

जॉन टर्नस होंगे एपल के अगले सीईओ

नई दिल्ली, एजेंसी

करीब 15 साल से एपल की कमान संभाल रहे टिम कुक सीईओ पद छोड़ रहे हैं। एक सितंबर से जान टर्नस एपल के नए सीईओ होंगे। 50 वर्षीय टर्नस अभी एपल की हार्डवेयर इकाई के मुखिया हैं। वर्ष 2011 में एपल के सह-संस्थापक स्टीव जाब्स के निधन के बाद सीईओ बने कुक के नेतृत्व में एपल ने सफलता के नए कीर्तिमान रचे। इसी दौरान कंपनी का बाजार मूल्यांकन 4 ट्रिलियन (लाख करोड़) डॉलर तक पहुंचा। उन्होंने विनिर्माण के लिए चीन पर कंपनी की निर्भरता को घटाकर उसे भारत जैसे देश में केंद्रित किया। सितंबर से कुक एग्जीक्यूटिव चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे। 65 वर्षीय टिम कुक ने कथित तौर पर एक बयान में कहा, "एपल का सीईओ बनना और इतनी असाधारण कंपनी का नेतृत्व करने के लिए मुझ पर भरोसा किया जाना, मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है। मैं एपल से अपने पूरे दिल से प्यार करता हूं और मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे इतने प्रतिभाशाली, इनोवेटिव, क्रिएटिव और बेहद परवाह करने वाले लोगों की टीम के साथ काम करने का अवसर मिला।"

जॉन टर्नस एपल के हार्डवेयर इंजीनियरिंग के प्रमुख हैं। ऐसा माना जाता है कि पिछले पांच सालों से आईफोन, आईपैड और मैक में इस्तेमाल होने वाली टेक्नोलॉजी की देखरेख करने की वजह से वे सीईओ की भूमिका के लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हुए हैं।

मंजूरी : 15 साल बाद बदल रहा कंपनी का सीईओ, कुक अब एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनेंगे

टिम कुक के बाद जॉन टर्नस संभालेंगे एपल की कमान

कैलिफोर्निया, एजेंसी

टिम कुक की जगह अब जॉन टर्नस एपल के नए CEO होंगे। वे 1 सितंबर 2026 से कंपनी की कमान संभालेंगे। कुक अब कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे। बोर्ड ने सर्वसम्मति से इस योजना को मंजूरी दे दी है।

टिम कुक 1998 में एपल से जुड़े थे और 2011 में CEO बने थे। उनके नेतृत्व में एपल की मार्केट वैल्यू 350 बिलियन डॉलर (करीब 32 लाख करोड़) से बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 350 लाख करोड़) हो गई है। कंपनी का सालाना रेवेन्यू भी 108 बिलियन डॉलर (करीब 10 लाख करोड़) से बढ़कर 2025 में 416 बिलियन डॉलर (39 लाख करोड़) के पार पहुंच गया है।

जॉन टर्नस ने साल 2001 में इस टेक कंपनी को जॉइन किया था। वे तब प्रोडक्ट डिजाइन टीम का हिस्सा थे। वे कंपनी के फाउंडर स्टीव जॉब्स के साथ भी काम कर चुके हैं। एपल से पहले उन्होंने 'वर्चुअल रिसर्च सिस्टम्स' में एक मैकेनिकल इंजीनियर के तौर पर काम किया था।

टर्नस 2013 में हार्डवेयर इंजीनियरिंग के वाइस प्रेसिडेंट बने और फिर 2021 में उन्हें सीनियर वाइस प्रेसिडेंट बना दिया गया। इन सालों के दौरान टर्नस ने आईपैड, एयरपॉड्स, आईफोन, एपल वॉच और हाल ही में लॉन्च हुए मैकबुक नियो जैसे बड़े डिवाइसेज पर काम किया।

51 साल के टर्नस लगभग उसी उम्र के हैं, जिस उम्र में टिम कुक ने एप्पल के सीईओ की कमान संभाली थी। टर्नस के पास यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की है।

टर्नस ने कहा, एपल के मिशन को आगे ले जाने का यह मौका मिलने पर मैं बहुत आभारी हूं। मैंने अपना लगभग पूरा करियर एप्पल में ही बिताया है, और मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे स्टीव जॉब्स के मार्गदर्शन में काम करने और टिम कुक को अपना मेंटर बनाने का मौका मिला।₹

बोर्ड में अन्य बदलाव: आर्थर लेविंसन बनेंगे लीड इंडिपेंडेंट डायरेक्टर

पिछले 15 वर्षों से एपल के नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रहे आर्थर लेविंसन 1 सितंबर 2026 से लीड इंडिपेंडेंट डायरेक्टर की भूमिका में होंगे। इसी दिन जॉन टर्नस भी बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल हो जाएंगे। लेविंसन ने कहा कि टर्नस का गहरा तकनीकी ज्ञान और बेहतरीन प्रोडक्ट्स बनाने का फोकस एपल को शानदार भविष्य की ओर ले जाएगा।

अगले 4 महीने तक साथ काम करेंगे कुक और टर्नस

टिम कुक इस साल अगस्त के आखिर तक CEO के रूप में काम जारी रखेंगे ताकि टर्नस के साथ स्मूथ ट्रांजिशन सुनिश्चित हो सके। एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनने के बाद कुक ग्लोबल पॉलिसी मेकर्स के साथ जुड़ने और कंपनी के खास पहलुओं पर ध्यान देंगे। कुक ने कहा कि एपल के CEO के रूप में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है।

ट्रम्प के ऐलान से पहले दांव लगाकर करोड़ों कमाए
बयान से कुछ मिनट पहले ट्रेडिंग में अचानक तेज उछाल

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के दौरान एक दिलचस्प और विवादित ट्रेंड देखने को मिला है। कई ट्रेडर्स (शेयर बाजार में दांव लगाने वाले लोग) बड़े ऐलान से ठीक पहले करोड़ों डॉलर के दांव लगाते दिखे हैं।

BBC ने अलग-अलग फाइनेंशियल मार्केट के ट्रेड डेटा का विश्लेषण किया और उसे ट्रम्प के बड़े बयानों और घोषणाओं के समय से मिलाया। इसमें एक पैटर्न सामने आया कि कई बार उनके बयान आने से कुछ घंटे या मिनट पहले ही ट्रेडिंग में अचानक तेज उछाल दिखा। कुछ एक्सपर्ट का मानना है कि यह इनसाइडर ट्रेडिंग का मामला हो सकता है। यानी सूचनाएं पहले ही लीक हो रही थीं, जिससे आम निवेशकों के भरोसे के साथ खिलवाड़ हो रहा है। वहीं कुछ दूसरे एक्सपर्ट्स कहते हैं कि मामला इतना सीधा नहीं है। कुछ ट्रेडर्स अब ट्रम्प के फैसलों और बयानों को पहले से भांपने में माहिर हो गए हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री पॉल क्रुगमैन ने पिछले महीने आरोप लगाया था कि ट्रम्प के करीबी लोगों ने अंदरूनी जानकारी का फायदा उठाकर क्रूड ऑयल मार्केट में करोड़ों डॉलर का खेल खेला है। ऑनलाइन प्रेडिक्शन मार्केट (जैसे पॉलीमार्केट और कलसी) भी संदेह के घेरे में आए। डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर इन मंचों से जुड़े हैं। दिसंबर 2025 में 'बर्डनसम-मिक्स' नाम का एक नया अकाउंट बना।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96